फरवरी 2024

मेरा पहला
वोट
देश के लिए

मेरा पहला वोट देश के लिए

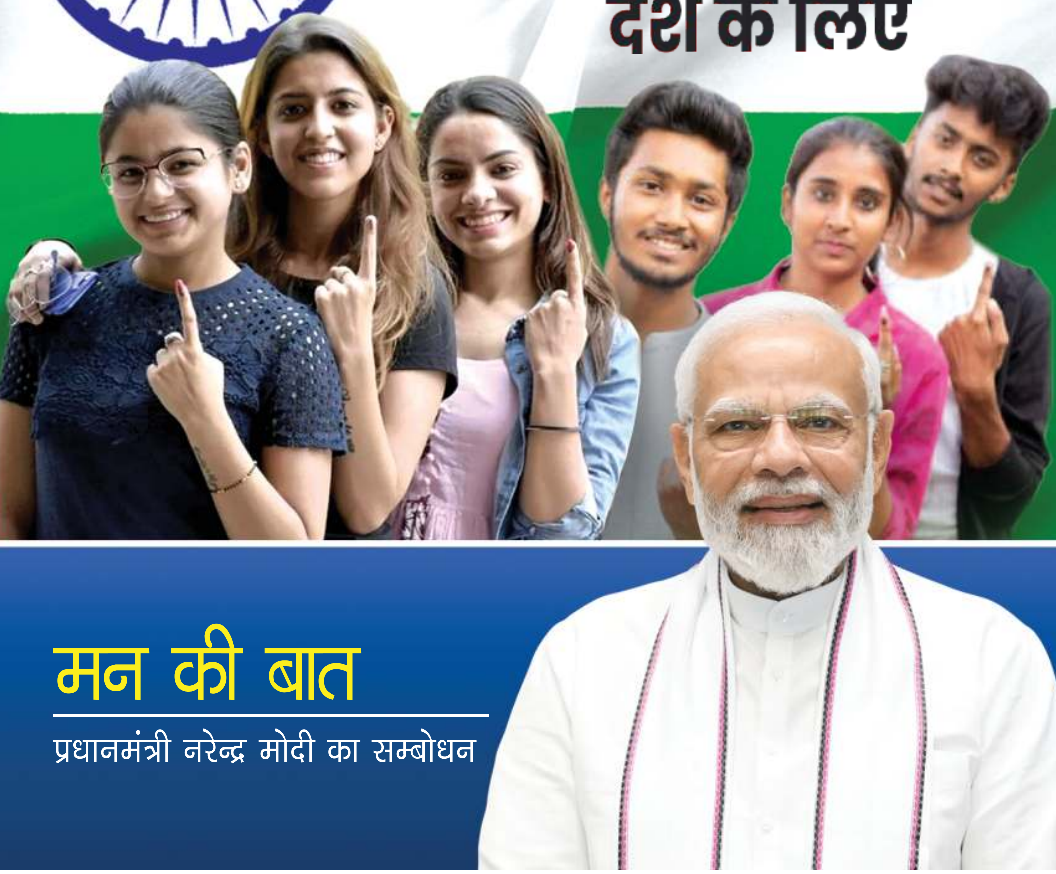

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन

सूची क्रम

01 प्रधानमंत्री का सन्देश 1

02 मुख्य आलेख

2.1 **महिलाएँ :** कृषि क्षेत्रों की रीढ़ 16

2.2 **मेरा पहला वोट देश के लिए :** युवा शक्ति के नेतृत्व में एक जन आंदोलन 34

03 संक्षेप में

3.1 नमो ड्रोन दीदी की नए भविष्य की ओर उड़ान 20

3.2 वन्यजीव संरक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग 22

3.3 सतत जीवन और आजीविका 26

3.4 'परमार्थ परमो धर्मः' 28

3.5 प्रथम राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार 30

04 लेख/साक्षात्कार

4.1 रचनात्मकता का सम्मान : राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार - **आकाश त्रिपाठी** 32

4.2 मतदान : संवैधानिक ज़िम्मेदारी - **एम. जगदेश कुमार** 38

4.3 मतदान : गौरवपूर्ण अधिकार - **रितेश अग्रवाल** 40

05 प्रतिक्रियाएँ 43

प्रधानमंत्री का सन्देश

मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार

'मन की बात' के 110वें एपिसोड में आपका स्वागत है। हमेशा की तरह, इस बार भी हमें आपके ढेर सारे सुझाव, इनपुट्स और कमेंट्स मिले हैं और हमेशा की तरह इस बार भी ये चुनौती है कि एपिसोड में किन-किन विषयों को शामिल किया जाए। मुझे, पॉजिटिविटी से भरे एक से बढ़कर एक इनपुट्स मिले हैं। इनमें बहुत सारे ऐसे देशवासियों का ज़िक्र है, जो दूसरों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उनके जीवन में बेहतरी लाने में जुटे हुए हैं।

साथियो, कुछ ही दिन बाद 8 मार्च को हम 'महिला दिवस' मनाएँगे। ये विशेष दिन देश की विकास यात्रा में नारी-शक्ति के योगदान को नमन करने का अवसर होता है। **महाकवि भरतियार जी ने कहा है कि विश्व तभी समृद्ध होगा, जब महिलाओं को समान अवसर मिलेंगे। आज भारत की नारी-शक्ति हर क्षेत्र में प्रगति की नई ऊँचाइयों को छू रही है। कुछ वर्ष पहले तक किसने सोचा था कि हमारे देश में, गाँव में रहने वाली महिलाएँ भी ड्रोन उड़ाएँगी, लेकिन आज ये सम्भव हो रहा है। आज तो गाँव-गाँव में ड्रोन दीदी की इतनी चर्चा हो रही है, हर किसी की ज़ुबान पर नमो ड्रोन दीदी, नमो ड्रोन दीदी ये चल पड़ा है। हर कोई इनके विषय में चर्चा कर रहा है।** एक बहुत बड़ी जिज्ञासा पैदा हुई है और इसीलिए मैंने भी सोचा कि क्यों ना इस बार 'मन की बात' में एक नमो ड्रोन दीदी से बात की जाए। हमारे साथ इस वक़्त नमो ड्रोन दीदी सुनीता जी जुड़ी हुई हैं, जो उत्तर प्रदेश के सीतापुर से हैं। आइए उनसे बात करते हैं।

मोदी जी : सुनीता देवी जी, आपको नमस्कार।

सुनीता देवी : नमस्ते सर।

मोदी जी : अच्छा सुनीता जी पहले मैं आपके विषय में जानना चाहता हूँ, आपके परिवार के विषय में जानना चाहता हूँ। थोड़ा कुछ बता दीजिए।

सुनीता देवी : सर, हमारे परिवार में दो बच्चे हैं, हम हैं, हस्बेंड हैं, माता जी हैं मेरी।

मोदी जी : आपकी पढ़ाई क्या हुई सुनीता जी।

सुनीता देवी : सर, बी.ए. (फाइनल) है।

मोदी जी : और वैसे घर में कारोबार वगैरह क्या है ?

सुनीता देवी : कारोबार वगैरह खेती-बाड़ी-सम्बंधित करते हैं, खेती वगैरह।

मोदी जी : अच्छा सुनीता जी, ये ड्रोन दीदी बनने का आपका सफ़र कैसे शुरू हुआ। आपको ट्रेनिंग कहाँ मिली, कैसे-कैसे बदलाव, क्या आया, मुझे पहले से जानना है।

सुनीता देवी : जी सर, ट्रेनिंग हमारी फूलपुर IFFCO कम्पनी में हुआ था, इलाहाबाद में और वहीं से हमको ट्रेनिंग मिली है।

मोदी जी : तो तब तक आपने ड्रोन के विषय में सुना था कभी !

सुनीता देवी : सर, सुना नहीं था, एक बार ऐसे देखे थे, कृषि विज्ञान केंद्र, जो सीतापुर का है, वहाँ पे हमने देखा था, पहली बार वहाँ देखा था हमने ड्रोन।

मोदी जी : सुनीता जी, मुझे ये समझना है कि मानो आप पहले दिन गए।

सुनीता देवी : जी।

मोदी जी : पहले दिन आपको ड्रोन दिखाया होगा, फिर कुछ बोर्ड पर पढ़ाया गया होगा, काग़ज़ पर पढ़ाया गया होगा, फिर मैदान में ले जाकर प्रैक्टिस, क्या-क्या हुआ होगा। आप मुझे समझा सकती हैं पूरा वर्णन।

सुनीता देवी : जी-जी सर, पहले दिन सर हम लोग जब गए हैं, तब उसके दूसरे दिन से हम लोगों की ट्रेनिंग शुरू हुई थी। पहले तो थ्योरी पढ़ाई गई थी, फिर क्लास चले थे दो दिन। क्लास में ड्रोन में क्या-क्या पार्ट हैं, कैसे-कैसे आपको क्या-क्या करना है, ये सारी चीज़ें थ्योरी में पढ़ाई गई थी। तीसरे दिन, सर हम लोगों का पेपर हुआ था। उसके बाद में फिर सर एक कम्प्यूटर पे भी पेपर हुआ था, मतलब पहले क्लास चला, उसके बाद में टेस्ट लिया गया। फिर प्रैक्टिकल करवाया गया था हम लोगों का, मतलब ड्रोन कैसे उड़ाना है, कैसे-कैसे मतलब आपको कंट्रोल कैसे सम्भालना है, हर चीज़ सिखाई गई थी, प्रैक्टिकल के तौर में।

मोदी जी : फिर ड्रोन काम क्या करेगा, वो कैसे सिखाया ?

सुनीता देवी : सर ड्रोन काम करेगा कि जैसे अभी फसल बड़ी हो रही है। बरसात का मौसम या कुछ भी ऐसे, बरसात में दिक्कत होती, खेत में फसल में हम लोग घुस नहीं पा रहे हैं तो कैसे मज़दूर अंदर जाएगा, तो इसके माध्यम से बहुत फायदा किसानों को होगा और वहाँ खेत में घुसना भी नहीं पड़ेगा। हमारा ड्रोन, जो हम मज़दूर लगाकर अपना काम करते हैं, वो हमारा ड्रोन से मेढ़ पे खड़े होके, हम अपना वो कर सकते हैं, कोई कीड़ा-मकोड़ा अगर खेत के अंदर है, उससे हमें सावधानी भी बरतनी रहेगी, कोई दिक्कत नहीं हो सकती है और किसानों को भी बहुत अच्छा लग रहा है। सर हम 35 एकड़ स्प्रे कर चुके हैं अभी तक।

मोदी जी : तो किसानों को भी समझ है कि इसका फायदा है ?

सुनीता देवी : जी सर, किसानों को बहुत संतुष्ट होते हैं, कह रहे हैं बहुत अच्छा लग रहा। समय का भी बचत होता है, सारी सुविधा आप खुद देखती हैं, पानी, दवा सब कुछ साथ-साथ में रखती हैं और हम लोगों को सिर्फ़ आकर खेत बताना पड़ता है कि कहाँ से कहाँ तक मेरा खेत है और सारा काम आधे घंटे में ही निपटा देती हूँ।

मोदी जी : तो ये ड्रोन देखने के लिए और लोग भी आते होंगे फिर तो?

सुनीता देवी : सर, बहुत भीड़ लग

जाती है, ड्रोन देखने के लिए बहुत सारे लोग आ जाते हैं। जो बड़े-बड़े फार्मर्स लोग हैं, वो लोग नम्बर भी ले जाते हैं कि हम भी आपको बुलाएँगे स्प्रे के लिए।

मोदी जी : अच्छा, क्योंकि मेरा एक मिशन है लखपति दीदी बनाने का, अगर आज देश भर की बहनें सुन रही हैं तो एक ड्रोन दीदी आज पहली बार मेरे साथ बात कर रही है, तो क्या कहना चाहेंगी आप ?

सुनीता देवी : **जैसे आज मैं अकेले ड्रोन दीदी हूँ तो ऐसी ही हज़ारों बहनें आगे आएँ कि मेरे जैसे ड्रोन दीदी वो भी बनें और मुझे बहुत ख़ुशी होगी कि जब मैं अकेली हूँ, मेरे साथ में और हज़ारों लोग खड़े होंगे, तो बहुत अच्छा लगेगा कि हम अकेले नहीं, बहुत सारे लोग हमारे साथ में ड्रोन दीदी के नाम से पहचानी जाती हैं।**

मोदी जी : चलिए सुनीता जी मेरी तरफ़ से आपको बहुत-बहुत बधाई। ये नमो ड्रोन दीदी, ये देश में कृषि को आधुनिक बनाने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन रही हैं। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

सुनीता देवी : थैंक यू, थैंक यू सर।

मोदी जी : थैंक यू !

साथियो, आज देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें देश की नारी-शक्ति पीछे रह गई हो। एक और क्षेत्र, जहाँ महिलाओं ने, अपनी नेतृत्व क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वो है– प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता। कैमिकल से हमारी धरती माँ को जो कष्ट हो रहा है, जो पीड़ा हो रही है, जो दर्द हो रहा है, हमारी धरती माँ को बचाने में देश की मातृशक्ति बड़ी भूमिका निभा रही है। देश के कोने-कोने में महिलाएँ अब प्राकृतिक खेती को विस्तार दे रही हैं। आज अगर देश में 'जल जीवन मिशन' के तहत इतना काम हो रहा है तो इसके पीछे पानी समितियों की बहुत बड़ी भूमिका है। इस पानी समिति का नेतृत्व महिलाओं के ही पास है। इसके अलावा भी बहनें-बेटियाँ, जल संरक्षण के लिए चौतरफा प्रयास कर रही हैं। मेरे साथ फ़ोन लाइन पर ऐसी ही महिला हैं कल्याणी प्रफुल्ल पाटिल जी। ये महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। आइए, कल्याणी प्रफुल्ल पाटिल जी से बात कर उनका अनुभव जानते हैं।

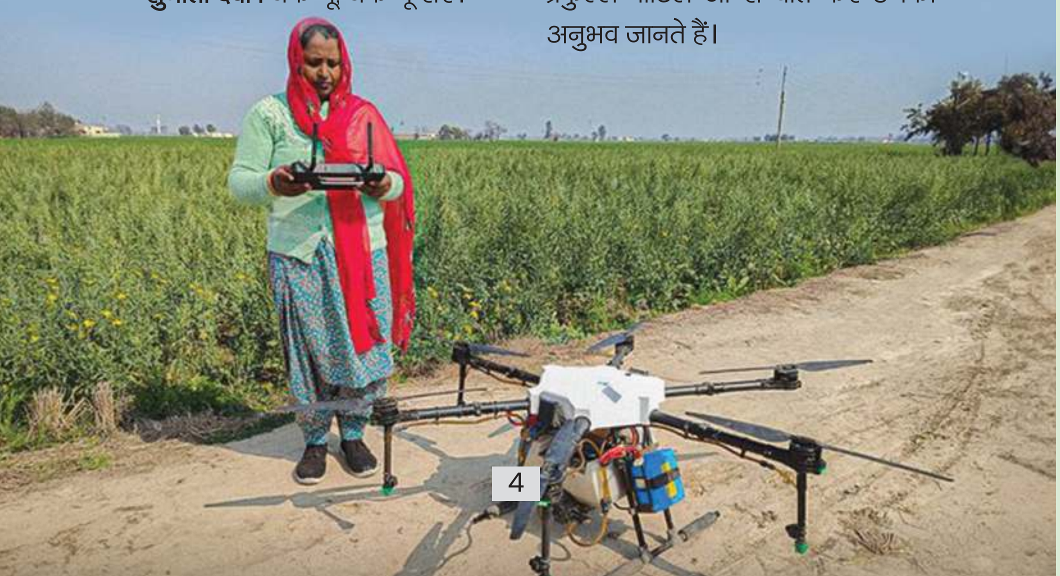

प्रधानमंत्री जी : कल्याणी जी नमस्ते।

कल्याणी जी : नमस्ते सर जी, नमस्ते।

प्रधानमंत्री जी : कल्याणी जी, पहले तो आप अपने विषय में, अपने परिवार के विषय में, अपने कामकाज विषय में ज़रा बताइए।

कल्याणी जी : सर, मैं एमएससी माइक्रोबायोलॉजी हूँ और मेरे घर में मेरे पतिदेव, मेरी सास है और मेरे दो बच्चे हैं और तीन साल से मैं अपनी ग्राम पंचायत में कार्यरत हूँ।

प्रधानमंत्री जी : और फिर गाँव में खेती के काम में लग गई? क्योंकि आपके पास बेसिक नॉलेज भी है, आपकी पढ़ाई भी इस क्षेत्र में हुई है और अब आप खेती में जुड़ गई हैं, तो क्या-क्या नए प्रयोग किए हैं आपने ?

कल्याणी जी : सर, हमने जो दस प्रकार के हमारी वनस्पति हैं, उसको एकत्रित करके उससे हमने आर्गेनिक फवारणी (spray) बनाया, जैसे कि जो हम पेस्टिसाइड वगैरह स्प्रे करते तो उस से पेस्ट वगैरह, जो हमारी मित्र कीट (pest) रहती है, वो भी नष्ट हो रहे और हमारी साइल का पॉल्युशन होता है, जो तो तब केमिकल चीज़ों, जो पानी में घुल-मिल रही हैं, उसकी वजह से हमारी बॉडी पर भी हानिकारक परिणाम दिख रहे हैं। उस हिसाब से हमने कम से कम पेस्टिसाइड का यूज़ कर के।

प्रधानमंत्री जी : **तो एक प्रकार से आप पूरी तरह प्राकृतिक खेती की तरफ़ जा रही हैं।**

कल्याणी जी : **हाँ, जो अपनी पारम्परिक खेती है सर, वैसे हमने की पिछले साल।**

प्रधानमंत्री जी : **क्या अनुभव आया प्राकृतिक खेती में ?**

कल्याणी जी : **सर, जो हमारी महिलाएँ हैं, उनको जो खर्च है, वो कम लगा और जो प्रोडक्ट हैं सर, तो वो समाधान पाकर, हमने विदाउट पेस्ट वो किया, क्योंकि अब कैंसर के प्रमाण जो बढ़ रहे हैं, जैसे शहरी भागों में तो है ही, लेकिन गाँव में भी हमारी उसका प्रमाण बढ़ रहा है तो उस हिसाब से अगर आप अपने आगे के परिवार को अपने सुरक्षित करना है तो ये मार्ग अपनाना ज़रूरी है। इस हिसाब से वो महिलाएँ भी सक्रिय**

सहभाग इसके अंदर दिखा रही हैं।

प्रधानमंत्री जी : अच्छा कल्याणीजी आपने कुछ जल संरक्षण में भी काम किया है ? उसमें क्या किया है आपने ?

कल्याणी जी : सर रेनवाटर हार्वेस्टिंग, जो हमारी शासकीय जितनी भी इमारतें हैं, जैसे कि प्राथमिक शाला हुई, आँगनबाड़ी हुआ, हमारी ग्राम पंचायत की जो बिल्डिंग है, वहाँ के जो पानी है, बारिश का, वो सब इकट्ठा करके हमने एक जगह पर कलेक्ट किया हुआ है और जो रिचार्ज शाफ़्ट है सर, कि बारिश का पानी जो गिरता है, वो ज़मीन के अंदर पेर्कोलेट होना चाहिए, तो उस हिसाब से हमने 20 रिचार्ज शाफ़्ट हमारे गाँव के अंदर किए हुए हैं और 50 रिचार्ज शाफ़्ट का सलेक्शन हो गया है। अब जल्दी ही उसका भी काम चालू होने वाला है।

प्रधानमंत्री जी : चलिए कल्याणीजी, आपसे बात करके बहुत ख़ुशी हुई। आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

कल्याणी जी : सर धन्यवाद, सर धन्यवाद। मुझे भी आपसे बात करके बहुत ख़ुशी हुई। मतलब मेरा जीवन सम्पूर्ण रूप से सार्थक हुआ, ऐसा मैं मानती हूँ।

प्रधानमंत्री जी : बस, सेवा कीजिए।

प्रधानमंत्री जी : चलिए, आप का नाम ही कल्याणी है, तो आपको तो कल्याण करना ही करना है। धन्यवाद जी। नमस्कार।

कल्याणी जी : धन्यवाद सर। धन्यवाद।

साथियो, चाहे सुनीता जी हों या कल्याणी जी, अलग-अलग क्षेत्रों में नारी-शक्ति की सफलता बहुत प्रेरक है। मैं एक बार फिर हमारी नारी-शक्ति की इस स्पिरिट की हृदय से सराहना करता हूँ।

मेरे प्यारे देशवासियो, आज हम सबके जीवन में टेक्नोलॉजी का महत्त्व बहुत बढ़ गया है। **मोबाइल फ़ोन, डिजिटल गैजेट्स हम सबकी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं, लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि डिजिटल गैजेट्स की मदद से अब वन्य जीवों के साथ तालमेल बिठाने में भी मदद मिल रही है।** कुछ दिन बाद, 3 मार्च को 'विश्व

वन्य जीव दिवस' है। इस दिन को वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फ़ैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस वर्ष वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ़ डे की थीम में डिज़िटल इनोवेशन को सर्वोपरि रखा गया है। आपको ये जानकर ख़ुशी होगी कि हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों में वन्य-जीवों के संरक्षण के लिए टेक्नोलॉजी का खूब उपयोग हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से देश में बाघों की संख्या बढ़ी है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के टाइगर रिज़र्व में बाघों की संख्या ढाई-सौ से ज़्यादा हो गई है। **चंद्रपुर जिले में इंसान और बाघों के संघर्ष को कम करने के लिए आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा रही है। यहाँ गाँव और जंगल की सीमा पर कैमरे लगाए गए हैं। जब भी कोई बाघ गाँव के करीब आता है, तब AI की मदद से स्थानीय लोगों को मोबाइल पर अलर्ट मिल जाता है। आज इस टाइगर रिज़र्व के आस-पास के 13 गाँवों में इस व्यवस्था से लोगों को बहुत सुविधा हो गई है और बाघों को भी सुरक्षा मिली है।**

साथियो, आज युवा एंटरप्रेन्योर्स भी वन्य जीव संरक्षण और ईको-टूरिज्म के लिए नए-नए इनोवेशन सामने ला रहे हैं। **उत्तराखंड के रुड़की में रोटर प्रिसिशन, प्रिसिशन ग्रुप्स ने वाइल्डलाइफ़ इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया के सहयोग से ऐसा ड्रोन तैयार किया है, जिससे केन नदी में घड़ियालों पर नज़र रखने में मदद मिल रही है। इसी तरह बेंगलुरू की एक**

कम्पनी ने 'बघीरा' और 'गरुड़' नाम का ऐप तैयार किया है। बघीरा ऐप से जंगल सफारी (SAFARI) के दौरान वाहन की स्पीड और दूसरी गतिविधियों पर नज़र रखी जा सकती है। देश के कई टाइगर रिज़र्व में इसका उपयोग हो रहा है। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स पर आधारित गरुड़ ऐप को किसी CCTV से कनेक्ट करने पर रियल टाइम अलर्ट मिलने लगता है। वन्य-जीवों के संरक्षण की दिशा में इस तरह के हर प्रयास से हमारे देश की जैव विविधता और समृद्ध हो रही है।

साथियो, भारत में तो प्रकृति के साथ तालमेल हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। हम हज़ारों वर्षों से प्रकृति और वन्य जीवों के साथ सह-अस्तित्व की भावना से रहते आए हैं। **अगर आप**

कभी महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिज़र्व जाएँगे तो वहाँ स्वयं इसे अनुभव कर सकेंगे। इस टाइगर रिज़र्व के पास खटकली गाँव में रहने वाले आदिवासी परिवारों ने सरकार की मदद से अपने घर को होम स्टे में बदल दिया है। ये उनकी कमाई का बहुत बड़ा साधन बन रहा है। इसी गाँव में रहने वाले कोरकू जनजाति के प्रकाश जामकर जी ने अपनी दो हेक्टेयर ज़मीन पर सात कमरों वाला होम स्टे तैयार किया है। उनके यहाँ रुकने वाले पर्यटकों के खाने-पीने का इंतजाम उनका परिवार ही करता है। अपने घर के आस-पास उन्होंने औषधीय पौधों के साथ आम और कॉफ़ी के पेड़ भी लगाए हैं। इससे पर्यटकों का आकर्षण तो बढ़ा ही है, दूसरे लोगों के लिए भी रोज़गार के नए अवसर बने हैं।

मेरे प्यारे देशवासियो, जब पशु-पालन की बात करते हैं, तो अक्सर गाय-भैंस तक ही रुक जाते हैं, लेकिन बकरी भी तो एक अहम पशु-धन है, जिसकी उतनी चर्चा नहीं होती है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अनेकों लोग बकरी पालन से भी जुड़े हुए हैं। ओडिशा के कालाहांडी में बकरी पालन, गाँव के लोगों की आजीविका के साथ-साथ उनके जीवन स्तर को ऊपर लाने का भी एक बड़ा माध्यम बन रहा है। इस प्रयास के पीछे जयंती महापात्रा जी और उनके पति बीरेन साहू जी का एक बड़ा फैसला है। ये दोनों बेंगलुरू में मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स थे, लेकिन इन्होंने ब्रेक लेकर कालाहांडी के सालेभाटा गाँव आने का फैसला लिया। ये लोग कुछ ऐसा करना चाहते थे, जिससे यहाँ के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान भी हो, साथ ही वो सशक्त भी बनें। सेवा और समर्पण से भरी अपनी इसी सोच के साथ इन्होंने माणिकास्तु एग्रो की स्थापना की और किसानों के साथ काम शुरू किया। **जयंती जी और बीरेन जी ने यहाँ एक दिलचस्प माणिकास्तु गोट बैंक भी खोला है। वे सामुदायिक स्तर पर बकरी पालन को बढ़ावा दे रहे हैं। उनके गोट फार्म में करीब दर्जनों बकरियाँ हैं। माणिकास्तु गोट बैंक, इसने किसानों के लिए एक पूरा सिस्टम तैयार किया है। इसके ज़रिए किसानों को 24 महीने के लिए 2 बकरियाँ दी जाती हैं। 2 वर्षों में बकरियाँ 9 से 10 बच्चों को जन्म देती हैं, इनमें से 6 बच्चों को बैंक रखता है, बाकी उसी परिवार को दे दी जाती हैं, जो बकरी पालन करता है। इतना ही नहीं, बकरियों की देख-भाल के लिए ज़रूरी सेवाएँ भी प्रदान की जाती हैं। आज 50 गाँव के 1000 से अधिक किसान इस दम्पती के साथ जुड़े हैं। उनकी मदद से गाँव के लोग पशु-पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।** मुझे ये देखकर बहुत अच्छा लगता है कि विभिन्न क्षेत्रों में सफल प्रोफेशनल्स छोटे किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए नए-नए तरीक़े अपना रहे हैं। उनका यह प्रयास हर किसी को प्रेरित करने वाला है।

मेरे प्यारे देशवासियो, हमारी संस्कृति की सीख है– 'परमार्थ परमो धर्मः' यानी दूसरों की मदद करना ही सबसे बड़ा कर्तव्य है। इसी भावना पर चलते हुए हमारे देश में अनगिनत लोग नि:स्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करने में अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। ऐसे ही एक व्यक्ति हैं– बिहार में भोजपुर के भीम सिंह भवेश जी। अपने क्षेत्र के मुसहर जाति के लोगों के बीच इनके कार्यों की खूब चर्चा है। इसलिए मुझे लगा कि क्यों ना आज इनके बारे में भी आपसे बात की जाए। बिहार में मुसहर एक अत्यंत वंचित समुदाय रहा है, बहुत गरीब समुदाय रहा है। भीम सिंह भवेश जी ने इस समुदाय के बच्चों की शिक्षा पर अपना फोकस किया है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके। उन्होंने मुसहर जाति के करीब 8 हज़ार बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया है। उन्होंने एक बड़ी लाइब्रेरी भी बनवाई है, जिससे बच्चों को पढ़ाई-लिखाई की बेहतर सुविधा मिल रही है। भीम सिंह जी अपने

परमार्थ परमो धर्मः

समुदाय के सदस्यों के ज़रूरी डॉक्यूमेंट बनवाने में, उनके फॉर्म भरने में भी मदद करते हैं। इससे ज़रूरी संसाधनों तक गाँव के लोगों की पहुँच और बेहतर हुई है। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो, इसके लिए उन्होंने 100 से अधिक मेडिकल कैम्पस लगवाए हैं। जब कोरोना का महासंकट सिर पर था, तब भीम सिंह जी ने अपने क्षेत्र के लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए भी बहुत प्रोत्साहित किया। देश के अलग-अलग हिस्सों में भीम सिंह भवेश जी जैसे कई लोग हैं, जो समाज में ऐसे अनेक नेक कार्यों में जुटे हैं। एक ज़िम्मेदार नागरिक के तौर पर हम इसी प्रकार अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे, तो यह एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही मददगार साबित होगा।

मेरे प्यारे देशवासियो, भारत की सुंदरता यहाँ की विविधता और हमारी संस्कृति के अलग-अलग रंगों में भी समाहित है। मुझे ये देखकर अच्छा लगता है कि कितने ही लोग निःस्वार्थ भाव से भारतीय संस्कृति के संरक्षण और इसे सजाने-सँवारने के प्रयासों में जुटे हैं। आपको ऐसे लोग भारत के हर हिस्से में मिल जाएँगे। इनमें से बड़ी संख्या उनकी भी है, जो भाषा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में गांदरबल के मोहम्मद मानशाह जी पिछले तीन दशकों से गोजरी भाषा को संरक्षित करने के प्रयासों में जुटे रहे हैं। वे गुज्जर बकरवाल समुदाय से आते हैं, जो कि एक जनजातीय समुदाय है। उन्हें बचपन में पढ़ाई के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ा था, वो रोज़ाना 20 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करते थे। इस तरह की चुनौतियों के बीच उन्होंने मास्टर्स की डिग्री हासिल की और ऐसे में ही उनका अपनी भाषा को संरक्षित करने का संकल्प दृढ़ हुआ।

साहित्य के क्षेत्र में मानशाह जी के कार्यों का दायरा इतना बड़ा है कि इसे करीब 50 संस्करणों में सहेजा गया है। इनमें कविताएँ और लोकगीत भी शामिल हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद गोजरी भाषा में किया है।

साथियो, अरुणाचल प्रदेश में तिरप के बनवंग लोसू जी एक टीचर हैं। उन्होंने वांचो भाषा के प्रसार में अपना अहम योगदान दिया है। यह भाषा अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और असम के कुछ हिस्सों में बोली जाती है। उन्होंने एक लैंग्वेज स्कूल बनवाने का काम किया है। इसके वांचो भाषा की एक लिपि भी तैयार की है। वो आने वाली पीढ़ियों को भी वांचो भाषा सिखा रहे हैं ताकि इसे लुप्त होने से बचाया जा सके।

साथियो, हमारे देश में बहुत सारे ऐसे लोग भी हैं, जो गीतों और नृत्यों के माध्यम से अपनी संस्कृति और भाषा को संरक्षित करने में जुटे हैं। कर्नाटका के वेंकप्पा अम्बाजी सुगेतकर उनका जीवन भी इस मामले में बहुत प्रेरणादायी है। यहाँ के बागलकोट के रहने वाले सुगेतकर जी एक लोक गायक हैं। इन्होंने 1000 से अधिक गोंधली गाने गाए हैं, साथ ही इस भाषा में कहानियों का भी खूब प्रचार-प्रसार किया है। उन्होंने बिना फीस लिए सैकड़ों विद्यार्थियों को ट्रेनिंग भी दी है। भारत में उमंग और उत्साह से भरे ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो हमारी संस्कृति को निरंतर समृद्ध बना रहे हैं। आप भी इनसे प्रेरणा लीजिए, कुछ अपना करने का प्रयास करिए। आपको बहुत संतोष का अनुभव होगा।

मेरे प्यारे देशवासियो, दो दिन पहले मैं वाराणसी में था और वहाँ मैंने एक बहुत ही शानदार फोटो प्रदर्शनी देखी। काशी और आस-पास के युवाओं ने कैमरे पर जो मोमेंट कैप्चर किए हैं, वो अद्भुत हैं। इसमें काफी फोटोग्राफ ऐसी हैं, जो मोबाइल कैमरे से खींची गई थीं। वाकई, आज जिसके पास मोबाइल है, वो एक कंटेंट क्रिएटर बन गया है। लोगों को अपना हुनर और प्रतिभा दिखाने में सोशल मीडिया ने भी बहुत मदद की है। भारत के हमारे युवा-साथी कंटेंट क्रिएशन के क्षेत्र में कमाल कर रहे हैं। **चाहे कोई भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म**

प्रथम नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड
बौद्धिक पूँजी का अभिनंदन

एक आशाजनक भविष्य का निर्माण

हो, आपको अलग-अलग विषयों पर अलग-अलग कंटेंट शेयर करते हमारे युवा साथी मिल ही जाएँगे। टूरिज्म हो, सोशल कॉज हो, पब्लिक पार्टिसिपेशन हो या फिर प्रेरक जीवन यात्रा, इनसे जुड़े तरह-तरह के कंटेंट्स सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। कंटेंट क्रिएट कर रहे देश के युवाओं की आवाज़ आज बहुत प्रभावी बन चुकी है। उनकी प्रतिभा को सम्मान देने के लिए देश में नेशनल क्रिएटर्स अवाइर्स शुरू किया गया है। इसके तहत अलग-अलग कैटेगरीज़ में उन चेंज मार्कर्स को सम्मानित करने की तैयारी है, जो सामाजिक परिवर्तन की प्रभावी आवाज़ बनने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हैं। यह कांटेस्ट MyGov पर चल रहा है और मैं कंटेंट क्रिएटर्स को इससे जुड़ने के लिए आग्रह करूँगा। आप भी अगर ऐसे इंटेरेस्टिंग कंटेंट क्रिएटर्स को जानते हैं, तो उन्हें नेशनल क्रिएटर्स अवार्ड के लिए ज़रूर नोमिनेट करें।

मेरे प्यारे देशवासियो, मुझे इस बात की खुशी है कि कुछ दिन पहले ही चुनाव आयोग ने एक और अभियान की शुरुआत की है– 'मेरा पहला वोट – देश के लिए'। इसके ज़रिए विशेष रूप से फर्स्ट टाइम वोटर्स से अधिक-से-अधिक संख्या में मतदान करने का आग्रह किया गया है। भारत को, जोश और ऊर्जा से भरी अपनी युवा शक्ति पर गर्व है। हमारे युवा साथी चुनावी प्रक्रिया में जितनी अधिक भागीदारी करेंगे, इसके नतीजे देश के लिए उतने ही लाभकारी होंगे। मैं भी फर्स्ट टाइम वोटर्स से आग्रह करूँगा कि वे रिकॉर्ड संख्या में वोट करें। 18 का होने के बाद आपको 18वीं लोकसभा के लिए सदस्य चुनने का मौका मिल रहा है, यानी ये 18वीं लोकसभा भी युवा आकांक्षा का प्रतीक होगी। इसलिए आपके वोट का महत्त्व और बढ़ गया है। आम चुनावों की इस हलचल के बीच, आप, युवा, ना केवल, राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनिए, बल्कि इस दौरान चर्चा और बहस को लेकर भी जागरूक बने रहिए और याद रखिएगा– 'मेरा पहला वोट – देश के लिए'। मैं देश के इन्फ़्लुएन्सेर्स को भी आग्रह करूँगा, चाहे वो खेल जगत के हों, फिल्म जगत के हों, साहित्य जगत के हों, दूसरे प्रोफेशनल्स हों या हमारे इंस्टाग्राम और youtube के इन्फ़्लुएन्सर्स हों, वो भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और हमारे फर्स्ट टाइम वोटर्स को मोटीवेट करें।

साथियो 'मन की बात' के इस एपिसोड में मेरे साथ इतना ही। देश में लोकसभा चुनाव का माहौल है और जैसा कि पिछली बार हुआ था, सम्भावना है कि मार्च के महीने में आचार-संहिता भी लग जाएगी। ये 'मन की बात' की बहुत बड़ी सफलता है कि बीते 110 एपिसोड में हमने इसे सरकार की परछाई से भी दूर रखा है। 'मन की बात' में, देश की सामूहिक शक्ति की बात होती है, देश की उपलब्धि की बात होती है। ये एक तरह से जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार होने वाला कार्यक्रम है, लेकिन फिर भी राजनीतिक मर्यादा का पालन करते हुए लोकसभा चुनाव के इन दिनों में अब अगले तीन महीने 'मन की बात' का प्रसारण नहीं होगा। अब, जब आपसे 'मन की बात' में संवाद होगा तो वो 'मन की बात' का 111वाँ एपिसोड होगा। अगली बार 'मन की बात' की शुरुआत 111 के शुभ अंक से हो तो इससे अच्छा भला क्या होगा, **लेकिन साथियो, आपको मेरा एक काम करते रहना है। 'मन की बात' भले तीन महीने के लिए रुक रहा है, लेकिन देश की उपलब्धियाँ थोड़ी रुकेंगी, इसलिए, आप 'मन की बात' hashtag(#) के साथ समाज की उपलब्धियों को, देश की उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर डालते रहें।** कुछ समय पहले एक युवा ने मुझे एक अच्छा सुझाव दिया था। सुझाव ये कि 'मन की बात' के अब तक के एपिसोड में से छोटे-छोटे वीडियो YouTube शॉर्ट्स के रूप में शेयर करना चाहिए। इसलिए मैं 'मन की बात' के श्रोताओं से आग्रह करूँगा कि ऐसे शॉर्ट्स को खूब शेयर करें।

साथियो, जब अगली बार आपसे संवाद होगा, तो फिर नई ऊर्जा, नई जानकारियों के साथ आपसे मिलूँगा। आप अपना ध्यान रखिए, बहुत बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

'मन की बात' सुनने के लिए QR कोड स्कैन करें।

मन की बात

प्रधानमंत्री द्वारा विशेष उल्लेख

महिलाएँ

कृषि क्षेत्रों की रीढ़

“आज भारत की नारी शक्ति हर क्षेत्र में प्रगति की नई ऊँचाइयों को छू रही है। कुछ वर्ष पहले तक किसने सोचा था कि हमारे देश में गाँवों में रहने वाली महिलाएँ भी ड्रोन उड़ाएँगी, लेकिन आज यह सम्भव हो रहा है।”

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
(‘मन की बात’ सम्बोधन में)

“प्रधानमंत्री की वजह से आज मैं नमो ड्रोन दीदी के नाम से जानी जाती हूँ। जब मैंने ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण शुरू किया तो मैं काफी घबरा रही थी, लेकिन अब मैं बिना किसी डर या झिझक के ड्रोन उड़ाती हूँ।”

-ड्रोन पायलट सुनीता
सीतापुर, उत्तर प्रदेश

भारत का कृषि क्षेत्र – यहाँ की मूक शक्ति, यानी ग्रामीण महिलाओं के बलबूते फलफूल रहा है। ये वे हाथ हैं, जो बोते हैं, निराई करते हैं और फसल काटते हैं। वे दिमाग हैं, जो पशुधन तथा संसाधनों का प्रबंधन करते हैं और वे शक्ति हैं, जो लगभग 1.4 बिलियन के देश के लिए खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में सहायक हैं।

ग्रामीण महिलाएँ ‘न्यू इंडिया’ के लिए सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरण परिवर्तन की पथप्रदर्शक हैं। भारत में कृषि लगभग 80 प्रतिशत ग्रामीण महिलाओं को रोज़गार देती है। कृषि में ग्रामीण महिला कार्यबल को सशक्त बनाना और मुख्यधारा में लाना आर्थिक विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव ला सकता है। यह खाद्य तथा पोषण सुरक्षा को बढ़ाएगा और गरीबी तथा भुखमरी को कम करेगा। यह 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता की कार्यनीति है।

भारत सरकार परम्परागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) की एक उप योजना, भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति (बीपीकेपी) के तहत 2019-20 से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती की ताकत और कुछ राज्यों में प्राप्त सफलता को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति को मिशन मोड में ‘प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन’ (एनएमएनएफ) के रूप में एक अलग योजना के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि विस्तार सेवाओं में महिला-पुरुष असमानता को सम्बोधित करने के लिए ‘विस्तारित राज्य कार्यक्रम सहायक और विस्तारित सुधार’ के तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) के नाम से लोकप्रिय, केंद्र प्रायोजित योजना के ज़रिए खेती में महिलाओं के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के अंतर्गत महिला-पुरुष समानता समन्वयक महिला किसानों को सभी योजनाओं के तहत लाभ पहुँचाने के लिए महिला–पुरुष के आधार पर विभाजित डेटा के संग्रह और महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अध्ययन तथा कार्रवाई अनुसंधान का संचालन सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा वे किसान महिलाओं के खाद्य सुरक्षा समूहों को बढ़ावा देने के साथ-साथ परिवारों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करते हैं। वे कृषि में महिलाओं से सम्बंधित सर्वोत्तम पद्धतियों/सफलता की कहानियों/कृषि में महिलाओं की भागीदारी के साथ-साथ सभी सम्बद्ध क्षेत्रों में महिला किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने और सम्बोधित करने सम्बंधी सामग्री का भी दस्तावेजीकरण करते हैं। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के तहत नवीन गतिविधियों में सहयोग करने के लिए महिलाओं को गाँवों में ‘किसान मित्र’ के रूप में भी जाना जाता है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र की योजना–एग्री क्लिनिक्स और एग्री बिजनेस सेंटर (एसी & एबीसी) कृषि के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को 44 प्रतिशत सब्सिडी मिल रही है।

भारत में महिलाएँ निःस्संदेह

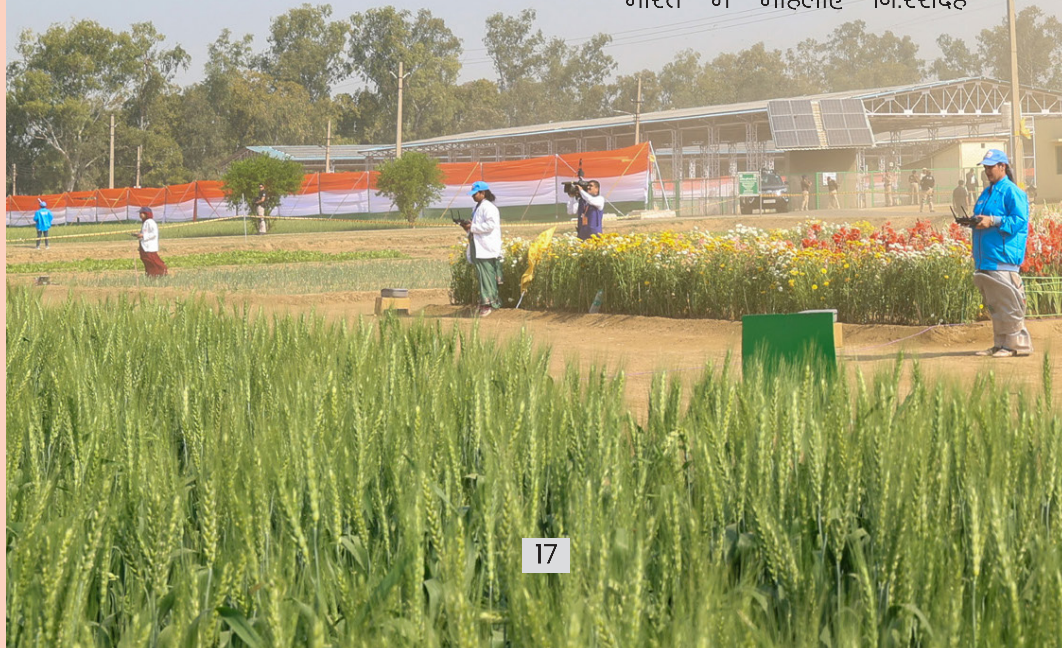

कृषि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' सम्बोधन में 'ड्रोन दीदी' कार्यक्रम का उल्लेख करके इस पर प्रकाश डाला। इस पहल का उद्देश्य 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि उद्देश्यों के लिए ड्रोन संचालित करने का प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाना है। ये 'ड्रोन दीदियाँ' किसानों को ड्रोन सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम होंगी, जिससे दक्षता में सुधार होगा और उर्वरकों के छिड़काव से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम के ज़रिए कृषि में महिलाओं के मौजूदा योगदान को स्वीकृति मिलती है और यह उन्हें नई प्रौद्योगिकियों से लैस करने का प्रयास है। महिलाओं का कृषि योगदान 'ड्रोन दीदी' कार्यक्रम से भी आगे तक फैला हुआ है।

समूचे भारत में महिलाएँ अधिक टिकाऊ कृषि परिदृश्य की सशक्त समर्थक के रूप में उभर रही हैं। वे प्राकृतिक कृषि पद्धतियों का समर्थन कर रही हैं, जल संरक्षण को प्राथमिकता दे रही हैं और ग्रामीण समुदायों में स्वच्छता पहल का नेतृत्व कर रही हैं। महिलाएँ जैविक और बायोडायनामिक तरीकों को अपना रही हैं। वे पारम्परिक बीज किस्मों को पुनर्जीवित कर रही हैं, रसोई के कचरे से खाद बना रही हैं और प्राकृतिक कीट नियंत्रण तकनीकों का उपयोग कर रही हैं। प्राकृतिक खेती की ओर ये बदलाव न केवल स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देता है, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य और

जैव विविधता की भी रक्षा करता है। ऐसे कई राज्य हैं, जहाँ प्राकृतिक खेती की जाती है। इनमें प्रमुख हैं– आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।

जल आंतरिक रूप से हमारे जीवन, आजीविका और अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है और सभी क्षेत्रों के विकास का मूल है। महिलाएँ पानी की कमी और सुरक्षित पेयजल की कमी, दोनों से प्रभावित होती हैं। इसका असर गरीबी और संरक्षण प्रयासों पर भी पड़ता है। इसलिए, महिलाएँ ड्रिप सिंचाई तकनीकों तथा वर्षा जल संचयन के तरीकों को अपना रही हैं और पानी की कम खपत वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। ज़मीनी स्तर की 41 महिला प्रबंधकों के समूह– जल महिला चैम्पियन ने तालाब–आधारित आजीविका कार्यक्रम जैसी अभूतपूर्व पहल का उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसके अंतर्गत गाँवों में पानी सोखने के गड्ढे विकसित करने, जल गुणवत्ता परीक्षण करने, जल प्रबंधन और नेतृत्व के लिए महिला जल उपयोगकर्ता समूहों (डब्ल्यूडब्ल्यूयूजी)

का गठन, गाँवों तथा स्कूलों में जल स्वच्छता पर जागरूकता कार्य और अन्य उपाय करने के लिए गाँवों को गतिशील किया जाता है। ये कार्य न केवल पानी के उपयोग को अनुकूलित करते हैं, बल्कि इस महत्त्वपूर्ण संसाधन पर अधिक नियंत्रण के साथ महिलाओं को सशक्त भी बनाते हैं।

स्वच्छता एक अन्य क्षेत्र है, जिसमें महिलाएँ महत्त्वपूर्ण प्रगति कर रही हैं। वे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वच्छता कार्यों को बढ़ावा देने और अपशिष्ट प्रबंधन समाधानों की हिमायत करने की पहल का नेतृत्व कर रही हैं। इन प्रयासों से न केवल वातावरण स्वच्छ होता है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में भी सुधार होता है, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए।

भारतीय कृषि के लिए अधिक टिकाऊ भविष्य की रक्षा करते हुए महिलाएँ प्राकृतिक खेती के तरीकों से मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा कर रही हैं और जल-बचत तकनीकों को अपनाकर पर्यावरणीय चेतना की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। स्वच्छता पहल में उनका नेतृत्व उनके समुदायों के लिए स्वस्थ भविष्य बनाने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कृषि में भारतीय महिलाओं की कहानी समर्पण, नवाचार और परिवर्तनशीलता की है। वे सिर्फ ज़मीन नहीं जोत रही हैं, बल्कि अधिक न्यायसंगत और पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ खाद्य प्रणाली की दिशा में रास्ता तैयार कर रही हैं। उनकी आवाज़ को बढ़ाकर उन्हें सही संसाधन प्रदान कर और उनकी सफलताओं का कीर्तिगान कर, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि ये महिलाएँ फलते-फूलते कृषि क्षेत्र के पीछे प्रेरक शक्ति बनी रहें।

नमो ड्रोन दीदी की नए भविष्य की ओर उड़ान

नमो ड्रोन दीदी योजना, ग्रामीण महिलाओं को फसल की निगरानी, उर्वरक छिड़काव और बीज बोने जैसे कार्यों में सहायता के लिए ड्रोन पायलट बनने के लिए प्रशिक्षित करती है। इससे कई महिलाओं को अतिरिक्त आय के अवसर भी मिलेंगे। देश भर से लगभग 1,000 नमो ड्रोन दीदियों को ड्रोन वितरित किए गए हैं, जिन्होंने 10 अलग-अलग स्थानों से एक साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया। हमारी दूरदर्शन टीम ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर की ड्रोन पायलट श्रीमती सुनीता से बातचीत की।

“ मैं अपने साथ बातचीत करने और इस पहल के लिए माननीय प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। उनकी वजह से आज मैं नमो ड्रोन दीदी के नाम से जानी जाती हूँ। सीतापुर में अब हर कोई मुझे इसी नाम से जानता है। जब मैंने ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण शुरू किया तो मैं काफी घबरा रही थी, लेकिन अब मैं बिना किसी डर या झिझक के ड्रोन उड़ाती हूँ। प्रशिक्षण लेने के बाद हमारा आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा है।

बिजनेस शुरू करने में हमें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। दिसम्बर, 2021 में जब हमें ड्रोन मिला तो मेरी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि मैं इंजीनियर से सहायता ले सकूँ। हालाँकि, जो लोग मुझे जानते थे उन्होंने मुझे आगे बढ़ने में सहायता और सहयोग किया।

अगर उनका सहयोग नहीं होता तो हम कारोबार शुरू नहीं कर पाते। अब ड्रोन की मदद से हम स्थायी आय अर्जित कर रहे हैं और इसके साथ ही किसानों को भी प्रेरणा मिलती है कि पूरे दिन का काम इतनी जल्दी हो जाता है।

माननीय प्रधानमंत्री और ड्रोन दीदी के नेतृत्व में हमें अपने साथ खड़ी 100 महिलाओं के सहयोग पर गर्व है। आगे बढ़ते हुए हमारा लक्ष्य है कि ऐसे मौकों पर हजारों महिलाएँ हमारे साथ जुड़ें। जिस तरह आज हमें जबरदस्त समर्थन मिल रहा है, हमारी आकांक्षा है कि हमारी पूरी टीम को भी ऐसा ही समर्थन मिले। देश भर के विभिन्न केंद्रों से निरंतर समर्थन के साथ, हम नैनो यूरिया बनाने के अपने मिशन में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नैनो डीपी और सागरिका जैसे उत्पादों के साथ, हमें कम कीमत पर मिश्रण और छिड़काव के पर्याप्त अवसर मिलते हैं, जिससे किसान काफी संतुष्ट होते हैं। ”

सुव्यवस्थित फसलें: प्राकृतिक खेती के क्षेत्रों का अन्वेषण

प्राकृतिक खेती, जिसे टिकाऊ या जैविक खेती के रूप में भी जाना जाता है, कृषि उत्पादन की वह पद्धति है, जिसके अंतर्गत कीटनाशकों, उर्वरकों और आनुवंशिक रूप से संशोधित किस्मों (जीएमओ) जैसे सिंथेटिक इनपुट के उपयोग को कम करके, प्रकृति के साथ सामंजस्य से फसल उगाने और पशुधन बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और कीटों तथा बीमारियों के प्रबंधन के लिए फसल चक्र, खाद बनाने और जैविक कीट नियंत्रण जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करती है। हमारी दूरदर्शन टीम ने ऐसी ही प्राकृतिक खेती करने वाली महाराष्ट्र की सुश्री कल्याणी प्रफुल्ल पाटिल से बातचीत की।

“ माननीय प्रधानमंत्री के साथ मेरी बातचीत बहुत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक थी। जैसे एक बच्चा अपनी माँ पर निर्भर होता है, वैसे ही फसलें भोजन के लिए मिट्टी पर निर्भर होती हैं। अब हमारी मिट्टी को हमारी जरूरत है और अगर हम सब मिलकर इसका ख्याल रखें तो मुझे लगता है कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित हो सकती है। खेत को कीटों से बचाने के लिए हम जैविक तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। पहले पक्षी खेतों के आस-पास के पेड़ों पर कीड़े पकड़ लेते थे, जिससे खेतों में कीटों का प्रकोप कम हो जाता था, लेकिन धीरे-धीरे किसानों ने अपने खेतों के पेड़ों को काट दिया और उन पर बैठने वाले पक्षी भी पलायन कर गए।

अपने एक प्रयोग में हमने खेतों में पक्षियों के लिए छोटे-छोटे घर बनाए ताकि वे वहाँ रह सकें और कीटों को खत्म कर सकें। हम अपनी जमीन और पानी को रसायनों से प्रदूषित करने के बजाय प्राकृतिक खाद बनाने पर जोर देते हैं। हम दशपर्णी और निम्बोली अर्क तैयार करते हैं। दशपर्णी अर्क वह होता है, जिसमें दस पत्तियाँ होती हैं। इन पत्तों के साथ-साथ हम गौमूत्र, मिर्च, लहसुन का पेस्ट और हल्दी को मिलाते हैं और इसे कुछ दिनों तक सड़ने के लिए छोड़ देते हैं। इस मिश्रण का उपयोग फसल उगाने में किया जाता है।

हर व्यक्ति अब अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो गया है, मुख्य रूप से शहरी नागरिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं और यही कारण है कि शहर में ऐसे उत्पाद बेचे जाते हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में लोगों को अब भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इन्हें प्रयोग करें। इस कार्य में हमें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलता है। जल संरक्षण के काम के लिए हमें मनरेगा और अटल भूजल योजना से सहायता मिलती है। ऐसी कई योजनाओं से हमें फायदा हुआ है। इसीलिए हम ये काम कर सके। ”

वन्यजीव संरक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग

3 मार्च, 2024 को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया। यह दिन वन्य-प्राणियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के लिए दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष का विषय 'वन्यजीव संरक्षण में डिज़िटल नवाचार के उपयोग' पर केंद्रित है। इसमें भारत के अपनी प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता की सुरक्षा में नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने के प्रयास प्रतिध्वनित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 'मन की बात' सम्बोधन के 110वें अंक में वन्यजीव संरक्षण में प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मानव और वन्यजीवों के बीच स्थायी सह-अस्तित्व (सस्टेनेबल को-एक्सिस्टेंस) को बढ़ावा देने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से लेकर ड्रोन सर्विलांस तक की अत्याधुनिक तकनीक अत्यंत प्रभावी कारक के रूप में उभरी है।

ड्रोन संरक्षक

रुड़की स्थित रोटर प्रिसीज़न ग्रुप और भारतीय वन्यजीव संस्थान ने मिलकर केन नदी में मगरमच्छों की आबादी की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया, जिससे संरक्षण के प्रयासों में मदद मिली है। दूरदर्शन की टीम ने इस बारे में अधिक विस्तार से जानने के लिए **रोटर कम्पनी समूह के अध्यक्ष साजिद मुख्तार और निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी साद इब्राहिम से बात की।**

"आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से हमारा लार्ज-स्केल ड्रोन, मगरमच्छों सहित वन्यजीवों पर नज़र रखता है। हम पहचान सकते हैं कि वो नर है या मादा और उसकी उम्र कितनी है। जंगल में जो चीज़ भी थर्मल सिग्नेचर देती हो, उसे ट्रैक करने में ड्रोन का उपयोग किया जा सकता है। इस ड्रोन का उपयोग न केवल वन विभाग करता है, बल्कि भारतीय सर्वेक्षण विभाग भी करता है। हमने क़रीब 1,000 ड्रोन बनाए हैं, जिनमें से लगभग 500 का उपयोग भारतीय सर्वेक्षण विभाग करता है। चूँकि यह लार्ज-स्केल ड्रोन है, इसलिए इसका इस्तेमाल भारतीय सेना और सर्वे ऑफ़ इंडिया टैक्टिकल मैपिंग के लिए भी कर रहे हैं। इस ड्रोन की विशेषता है कि यह 90 मिनट तक उड़ सकता है और त्रिआयामी (3D) मैपिंग के लिए आप इसमें अलग-अलग तरह के कैमरे लगा सकते हैं। सीधे प्रधानमंत्री से प्रशंसा मिलना बहुत अच्छा लगता है। हमें बहुत अच्छा लगता है, जब प्रधानमंत्री युवाओं की प्रशंसा करते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। हमें देश के लिए और अधिक काम करने का उत्साह मिलता है।"

मानव-वन्यजीव सद्भाव के लिए AI

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक अनोखा समाधान इंसान और बाघों के बीच टकराव कम कर रहा है। गाँवों की सीमा पर कृत्रिम-मेधायुक्त कैमरे लगाए गए हैं, जो बाघ के आने पर रियलटाइम में मोबाइल फ़ोन पर सतर्क करते हैं। इसने ताडोबा-अंधारी टाइगर रिज़र्व के आस-पास के 13 गाँवों में लोगों को सशक्त किया है। इस तरह के प्रयासों से रिज़र्व में बाघों की संख्या 250 से अधिक हो गई है। इसके बारे में अधिक जानने के लिए हमारी दूरदर्शन टीम ने चंद्रपुर, महाराष्ट्र स्थित ताडोबा-अंधारी टाइगर रिज़र्व के उप-निदेशक (बफ़र) कुशाग्र पाठक से बात की।

"हम जिस AI तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, वह वन्यजीव संरक्षण और मानव एवं वन्यजीवों के बीच टकराव कम करने में हमारी मदद कर रही है। इसकी मदद से बाघों की आबादी के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। बाघों की हलचल के अलावा कैमरे हमें बताते हैं कि बाघ किस दिशा में हैं। हमने जल निकायों के पास कैमरे भी लगाए हैं, जहाँ बाघ पानी पीने आते हैं। ये हमारा डेटाबेस बनाते हैं। इस डेटाबेस से, हमें दिन के उस समय की जानकारी भी मिलती है, जब जानवरों की हलचल सबसे अधिक होती है, जैसे वो कहाँ गए, कितनी देर के लिए गए और कहाँ रहते हैं। इस सारी जानकारी से उनके बारे में कोई भी निर्णय लेने में मदद मिलती है। मानव और वन्यजीवों के बीच टकराव कम करने के लिए रिजर्व के इर्द-गिर्द गाँवों की सरहदों पर कैमरे लगाए गए हैं। जैसे ही कोई जानवर गाँव की सीमा के पास पहुँचता है तो हमारे मोबाइल पर इसकी सूचना आती है। हमारी स्थानीय टीम ग्रामीणों की मदद से लोगों को उस तरफ़ जाने से रोकती है, विशेषकर बफ़र क्षेत्र में, जहाँ पर्यटन सम्बंधी गतिविधियाँ होती हैं, हमने स्थानीय लोगों को जिप्सी ड्राइवर और गाइड के रूप में नियुक्त किया है, जिससे उनके आर्थिक विकास में भी योगदान हो रहा है। ताडोबा बफ़र, समुदाय की मदद से संरक्षण का एक बेहतरीन मॉडल है। अधिक-से-अधिक गाँवों की सीमाओं पर कैमरे लगाने की योजना बनाई जा रही है। अब तक हम 13 गाँव कवर कर चुके हैं। सभी गाँव कवर हो जाने के बाद हम चंद्रपुर जिला मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष बनाएँगे। 25 फरवरी को प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में इसका उल्लेख किया, जिसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। आज हमारी यह परियोजना राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि पा गई है और हमें अनेक जगहों से फ़ोन आ रहे हैं, जिससे इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अन्य स्थानों पर भी किया जा सकेगा।"

प्रधानमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण पर्यटन के लिए नए नवाचारों पर काम करने वाले युवा उद्यमियों की भी सराहना की। बघीरा ऐप, जंगल सफ़ारी के दौरान वाहनों की गति और गतिविधियों पर नज़र रख कर, उत्तरदायी वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे जानवरों के आवासों में न्यूनतम गड़बड़ी सुनिश्चित होती है। इसी तरह, एआई और IOT से संचालित गरुड़ ऐप कनैक्टिड सीसीटीवी के माध्यम से रीयल-टाइम अलर्ट देता है, जिससे समग्र सतर्कता बढ़ती है।

सतत जीवन और आजीविका

भारत के बुनियादी ढाँचे और औद्योगिक विकास में, विशेषकर पिछले एक दशक में तेज़ी आई है। इसके अलावा भारत सुरक्षा और संरक्षण के मोर्चे पर भी प्रगति कर रहा है।

भारत की नवीनतम वन स्थिति की ई-रिपोर्ट 2021 में देश का कुल वन आवरण क्षेत्र 7,13,789 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 21.71 प्रतिशत है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2019 और 2021 के बीच वन क्षेत्र में 1,540 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 'मन की बात' सम्बोधन के 110वें अंक में प्रकृति से सह-अस्तित्व के सिद्धांत की चर्चा करते हुए दो उदाहरण दिए। आइए, इन दो उद्यमों के बारे में कुछ पढ़ें।

मेलघाट बाघ अभयारण्य में होमस्टे

महाराष्ट्र में मेलघाट व्याघ्र अभयारण्य (मेलघाट टाइगर रिज़र्व) अमरावती के पश्चिम में 225 किलोमीटर दूरी पर है। यह 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत घोषित पहले नौ बाघ संरक्षित क्षेत्रों में से एक है और इसकी गिनती देश के सबसे बड़े बाघ अभयारण्यों में होती है। यह संरक्षित क्षेत्र 2,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक में फैला है।

इस वन-क्षेत्र में अनेक गाँव आते हैं। ऐसा ही एक गाँव है खटकली, जिसकी जनसंख्या 450 है। इस गाँव की पहचान पहली बार 1992 में एक पर्यावरण-विकास कार्यक्रम के तहत अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के साथ की गई थी ताकि ग्रामीणों को लकड़ी और अन्य ग़ैर-लकड़ी वन उत्पाद (एनटीएफपी) एकत्र करने के लिए मुख्य वन क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका जा सके। प्रधानमंत्री ने इसी गाँव के निवासियों द्वारा शुरू किए गए होमस्टे व्यवसाय का उल्लेख किया था। इस बारे में आइए जानें कि खटकली के एक उद्यमी ने क्या कहा...

> इन होमस्टे की स्थापना के पीछे वन विभाग के अधिकारियों का प्रोत्साहन रहा है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'मन की बात' में जब मेरे नाम का उल्लेख किया तो मेरा उत्साह दुगना हो गया है और इसी वजह से अब मैं दूसरे उद्यमों के बारे में सोच रहा हूँ। मैं दिल से प्रधानमंत्री का आभारी हूँ। आज मेरे पाँच कर्मचारी हैं, स्थानीय स्तर पर उन्हें रोज़गार मिला है। होमस्टे शुरू करने से हमें आजीविका के लिए जंगल में जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती, क्योंकि जो आमदनी हमें वन-उत्पादों से होती थी, उतनी ही कमाई होमस्टे से हो जाती है।
>
> प्रकाश जामकर, उद्यमी, खटकली, मेलघाट वन संरक्षित क्षेत्र, महाराष्ट्र

ओड़िशा में माणिकास्तु बकरी बैंक

ओड़िशा के कालाहांडी में स्थित माणिकास्तु गोट बैंक एक ऐसी निराली पहल है, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। एक युवा उद्यमी जयंती महापात्र ने कालाहांडी के स्थानीय समुदाय के लिए 2015 में माणिकास्तु ऐग्रो की शुरुआत की। उनका उद्देश्य एक स्थायी बकरी पालन तंत्र खड़ा करना था, क्योंकि उन्होंने देखा कि कई स्थानीय परिवार बकरी पालन तो करते हैं, लेकिन उन्हें इससे कुछ ख़ास आमदनी नहीं हो पाती।

बकरी बैंक
⇩
बकरी बैंक, परिवार को 2 वर्ष के लिए 2 बकरी देता है।
⇩
बकरी 9-10 मेमनों को जन्म देती है।
⇩
2 मेमने परिवार रखता है, शेष बैंक ले लेता है।
⇩
8 मेमनों को बैंक फिर आगे अन्य परिवारों को देता है और इस तरह यह चक्र जारी रहता है।

> "मैं एक पूर्व बैंकर हूँ और मैं इसे लेन-देन आधारित एक कार्य मानती हूँ, जो हम अपने सहयोगी किसानों से करते हैं। विचार यह था कि समुदाय, समाज, विशेष रूप से पिरामिड के निचले लोगों की बेहतरी के लिए इसे एकीकृत कैसे किया जाए जो कृषि उपज और कृषि से सम्बंध रखते हैं। मुझे खुशी है कि मैं अब भी एक बैंकर हूँ, क्योंकि बैंकर को भी एक किसान ही माना जाता है। मुझे लगता है कि हमारे देश को, युवा पीढ़ी को लीक से हटकर सोचने की ज़रूरत है।"
>
> जयंती महापात्र, संस्थापक, माणिकास्तु बकरी बैंक

बकरी बैंक की इस पहल से 50 गाँवों के 1,000 से अधिक किसानों पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है। समस्या समाधान के कौशल का यह एक साक्ष्य है, जो भारत की अगली पीढ़ी के समस्या समाधान करने वालों को प्रेरित करेगा।

'परमार्थ परमो धर्मः'

मज़बूत समाज के लिए 'परमार्थ परमो धर्मः' को अपनाना

हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में अंतर्निहित शिक्षाओं का सार 'परमार्थ परमो धर्मः' वाक्यांश में खूबसूरती से समाहित है, जो दर्शाता है कि दूसरों की मदद करना सर्वोच्च कर्तव्य है। यह विचार व्यक्तिगत कर्तव्य से परे है। यह हमारे समुदाय की प्रगति और एकता के लिए एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है।

जब लोग निःस्वार्थ भाव से एक-दूसरे की मदद करते हैं, तो इससे एक देखभाल करने वाले और सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण होता है। यह सम्बंध बनाता है, विभिन्न लोगों को एक साथ लाता है और एक मजबूत और सहायक समुदाय बनाता है। व्यक्तिगत रूप से दयालु होना और दूसरों की मदद करना आंतरिक रूप से खुशी और उद्देश्य दर्शाता है। यह समझ, सहानुभूति और हर किसी की भलाई के लिए साझा प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करता है, साथ में ये क्रियाएँ एक सकारात्मक वातावरण को आकार देती हैं, जिससे व्यक्तिगत विकास, व्यवहारिकता और अपनेपन की भावना के बढ़ावे को प्रेरित करती हैं।

व्यापक दृष्टिकोण को देखते हुए दूसरों की मदद करने की संस्कृति का दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होता है। यह टीम वर्क विश्वास और एकजुटता को बढ़ावा देता है, जो समाज के विकास के लिए प्रमुख तत्व हैं। विकास सभी के समर्थन और सहयोग से सुनिश्चित किए गए कार्य समाज के विकास में योगदान देते हैं।

बिहार के एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता **भीम सिंह भावेश** ने मुसहर समुदाय के उत्थान में अपने अनुकरणीय कार्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रशंसा अर्जित की है। पिछले 20 वर्षों में भावेश ने सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे दलित समुदाय के 3200 से अधिक व्यक्तियों को लाभ हुआ। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद उनके काम को समाज में स्वीकार्यता मिली है। भावेश ने मुसहर समुदाय के साथ संवाद करने के लिए एक समूह बनाया है, लगभग 8,000 मुसहर बच्चों को स्कूलों में नामांकित किया है, एक बड़ी लाइब्रेरी की स्थापना की है, दस्तावेज़ निर्माण में सहायता की है, चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया है और महामारी के दौरान COVID-19 टीकाकरण को बढ़ावा दिया है।

"मैं सुदूर राजौरी जिले में प्राथमिक विद्यालय तक 4 किमी, हाई स्कूल तक 7 किमी और उच्चतर माध्यमिक तक 14 किमी की यात्रा की चुनौतियों को पार कर बड़ा हुआ। एक गुज्जर बकरवाल के रूप में, मैं एक एकभाषी शब्दकोश बनाकर अपनी मातृभाषा गोजरी को संरक्षित करने के लिए दृढ़ संकल्पित था। मैं विकास और वित्तीय सहायता के लिए गोजरी को भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की इच्छा रखता हूँ। स्कूलों में इसे शुरू करने की वकालत करते हुए मेरा मानना है कि लोक गीत और अनुवाद साहित्यिक परिदृश्य को समृद्ध करेंगे।

उज्ज्वल भविष्य के लिए चुनौतियों को स्वीकार करना महत्त्वपूर्ण है और मैं युवा पीढ़ी को भाषा के अस्तित्व के लिए गोजरी साहित्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। साहित्य में समुदाय के भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाने, शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने की शक्ति है।"

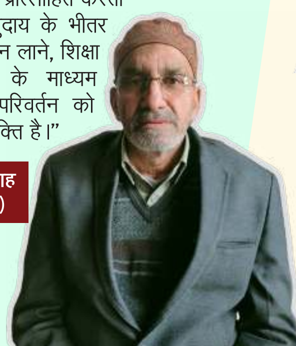

-मोहम्मद मानशाह (जम्मू-कश्मीर)

बनवांग लोसु के उल्लेखनीय कार्य ने वांचो भाषा समुदाय के लिए एक मात्र स्कूल परियोजना को एक अभूतपूर्व उपलब्धि में बदला है। बनवांग ने वांचो की भाषायी बारीकियों के सटीक प्रतिनिधित्व के लिए एक स्वतंत्र लिपि तैयार करने में जीवन के 12 से अधिक वर्ष समर्पित किए हैं। रोमन वर्णमाला के पर्याप्त अक्षर न होने के कारण यह कार्य चुनौतीपूर्ण था। सावधानीपूर्वक अनुसंधान और सहयोग से उन्होंने 44 अक्षर वाली एक लिपि सफलतापूर्वक विकसित की, जिसे अब यूनिकोड कंसोर्टियम से मान्यता प्राप्त है। यह उपलब्धि अत्यधिक महत्त्व रखती है, क्योंकि यह वांचो की भाषायी विरासत का डिजिटल रूप सुनिश्चित करके इसे लुप्त होने के ख़तरे से बचाती है।

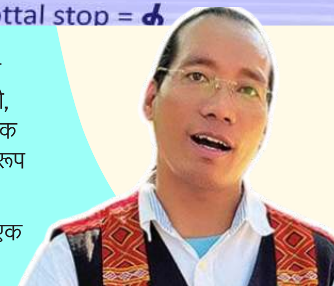

वांचो 'लिटरेरी मिशन' जैसी पहल के माध्यम से बनवांग ने न केवल एक सांस्कृतिक विरासत संरक्षित की है, बल्कि भावी पीढ़ियों को अपनी भाषायी विरासत बनाए रखने के साधनों से भी सशक्त किया है। उनका यह कार्य, सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने और ज्ञान को बढ़ावा देने में भाषा संरक्षण की मिसाल है और भावी पीढ़ी के लिए भाषाओं की पहुँच और प्रलेखन सुनिश्चित करने में कृत्रिम मेधा-संचालित प्रौद्योगिकियों के एकीकरण को प्रोत्साहित करता है।

बनवांग के प्रयास आशा की उजली किरण हैं, जो दुनिया भर के समुदायों को अपनी भाषायी विविधता सँजोने और उसके संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं।

"मैं बचपन से लोकगीत गाता रहा हूँ। हमारे परिवार का यह पुश्तैनी कार्य है। परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही इस गायन कला ने मुझे भी प्रेरित किया। संगीत की किसी औपचारिक शिक्षा के बिना मैंने केवल सुनकर सीखा और अनेक गाँवों, राज्यों, यहाँ तक कि विदेशों में आयोजित कार्यक्रमों में भी अपनी इस कला का प्रदर्शन किया है। मैं अपने निराले अंदाज में महिलाओं की प्रशस्ति भी गाता हूँ। कोई औपचारिक शिक्षा लिए बिना अपने हुनर के बल पर मैंने हज़ारों लोक गीतों में महारत हासिल की है, जिनकी बदौलत मैं मानद डॉक्ट्रेट और राज्योत्सव पुरस्कार तक प्राप्त कर चुका हूँ। मेरा लोक-गायन, भावपूर्ण प्रस्तुतियों और कहानी कहने के लिए जाना जाता है, जिन्हें लोग रेडियो और राष्ट्रीय टेलीविज़न जैसे मंचों से देखते-सुनते हैं। मुझे जीवन के हर क्षेत्र के लोगों के साथ, अपनी लोककथाएँ साझा करने का अवसर मिला, जिसके लिए मैं आभारी हूँ। यह देखना सुखद आश्चर्य है कि आज की युवा पीढ़ी भी इस कला में रुचि ले रही है। इससे सुनिश्चित होता है कि कला की यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचेगी।"

-वेंकप्पा अम्बाजी सुगेतकर (कर्णाटक)

प्रथम राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार

युवा और भारत के लिए इसके निहितार्थ

सोशल मीडिया का कोई भी मंच क्यों न हो, आपको वहाँ युवा मित्र विविध विषयों पर विभिन्न प्रकार की विषयवस्तु साझा करते अवश्य मिलेंगे। पर्यटन हो, सामाजिक विषय हों, लोगों की भागीदारी हो या कोई प्रेरणादायी यात्रा, इन सब के बारे में सोशल मीडिया पर विभिन्न सामग्री उपलब्ध रहती हैं। देश के जो युवा यह विषयवस्तु तैयार कर रहे हैं, उनकी आवाज आज बहुत प्रभाव रखती है। उनकी प्रतिभा का सम्मान करने के लिए देश में राष्ट्रीय सर्जक पुरस्कार आरम्भ किए गए हैं। इसके अंतर्गत, अलग-अलग श्रेणी में उन परिवर्तनकारियों (चेंज मेकर्स) को सम्मानित करने की तैयारी है, जो तकनीक का इस्तेमाल कर सामाजिक बदलाव का प्रभावशाली स्वर बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, 'मन की बात', 110वाँ अंक

परिवर्तनकारियों पर एकाग्र

विषयवस्तु सर्जकों को केंद्र में रखते हुए उन पर उचित ध्यान देना और प्रभावशाली विषयवस्तु तैयार करने वाले डिजिटल रचनाकारों को प्रोत्साहित करना।

विविध स्वरों को बढ़ावा

जनसाधारण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाले डिजिटल मीडिया के सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देना।

जुड़ें और सहयोग करें

सर्जक समुदायों और नेताओं से उत्प्रेरित एवं सरकारों द्वारा समर्थित सामाजिक क्रांति को एक मंच पर साथ लाने का उद्देश्य 'अमृत काल' के दौरान एक राष्ट्रीय आंदोलन तैयार करना है।

अगली लहर को सशक्त करें

पुरस्कार केवल एक ट्रॉफ़ी नहीं अपितु रचनाकारों को प्रदत्त एक प्रोत्साहन के रूप में देखा जाना चाहिए, जिससे वे अपनी सर्जनात्मक गतिविधियाँ बढ़ाकर ऐसा सकारात्मक परिवर्तन ला सकें, जो समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचे।

प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को सम्बोधित किया, जिसमें दुनिया के विचारकों में से एक के रूप में भारत की भावी भूमिका पर अपना दृष्टिकोण रखा। उन्होंने भारत की सॉफ्ट पॉवर में वृद्धि की ओर संकेत करते हुए कहा, "आप पूरी दुनिया में भारत के डिजिटल ऐम्बैसेडर हैं। आप वोकल फॉर लोकल के ब्राण्ड ऐम्बैसेडर हैं।"

कार्यक्रम का आयोजन भारत मण्डपम् में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। पहले ही दौर में विभिन्न श्रेणियों के लिए 20 भाषाओं में 1.5 लाख से अधिक प्रविष्टियाँ मिलीं, जिसके बाद मतदान का एक दौर हुआ। मतदान के दौरान लगभग 10 लाख मतदाताओं ने पुरस्कार के विभिन्न वर्गों में डिजिटल क्रिएटर्स के लिए वोट डाले। इसके उपरांत, तीन अंतरराष्ट्रीय रचनात्मकता सहित 23 विजेता घोषित किए गए और उन्हें पुरस्कृत किया गया।

20 श्रेणियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें कुछ सर्वश्रेष्ठ स्टोरी टैलर पुरस्कार, द डिसरप्टर ऑफ़ द ईयर अवार्ड, शिक्षा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ निर्माता और गेमिंग श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ निर्माता आदि थे।

आइए कुछ पुरस्कार विजेताओं से चर्चा करें-

"मैं गीता, उपनिषदों और अन्य हिन्दू धर्मग्रंथों से आध्यात्मिक विषयवस्तु तैयार करता हूँ। बहुत ही अच्छा लगा कि देश में पहली बार विषयवस्तु रचनाकारों (कंटेंट क्रिएटर्स) को मान्यता मिली और उनके लिए अलग से पुरस्कार रखे गए।"

अरिदमन, माइक्रो रचनात्मक पुरस्कार विजेता

मैं श्रद्धा जैन हूँ और मुझे पुरस्कारों की सर्जनशील विषयवस्तु के अंतर्गत पुरस्कार मिला है। यह सारा समारोह मजेदार रहा। प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की कल्पना नहीं की थी... लेकिन उन्होंने बहुत ही प्रोत्साहित किया। वे चाहते थे हम उनसे बातें करें। भारत के बारे में विषयवस्तु तैयार करने के बारे में उनका संदेश बहुत ही प्रेरणादायी था।

श्रद्धा जैन, सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक पुरस्कार विजेता – महिला संदर्भ सम्पर्क

रचनात्मकता का सम्मान
राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार

आकाश त्रिपाठी
सीईओ, माई गॉव

भारत के रचनात्मक और अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने वाली विविध आवाज़ों और प्रतिभाओं को उजागर करने के उद्देश्य से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में दिनाँक 8 मार्च, 2024 को 23 कंटेंट क्रिएटर्स को पहला राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार प्रदान किया।

MyGOV INDIA के तत्वावधान में, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम ने भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने और आर्थिक विकास में योगदान देने वाले डिज़िटल सामग्री रचनाकारों की विविध आवाज़ों और नवाचारों का उत्सव मनाने में एक महत्त्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया।

20 से अधिक श्रेणियों में पुरस्कार विभाजित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक डिज़िटल रचनात्मकता और नवाचार के पहलुओ का प्रतिनिधित्व करता है। गेमिंग में, सर्वश्रेष्ठ कहानीकार से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्माता तक, सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य और फिटनेस निर्माता से लेकर शिक्षा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ निर्माता तक, पुरस्कारों ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता दी, जो भारत के डिज़िटल परिदृश्य के बहुमुखी स्वरूप को दर्शाता है।

नेशनल क्रिएटर्स अवाड्र्स के प्रति जनता की प्रतिक्रिया ज़बरदस्त थी, जो समकालीन समाज में डिज़िटल रचनात्मकता की गूँज को रेखांकित करती है। 1.57 लाख से अधिक नामांकन और 10 लाख मतदान के साथ, इन पुरस्कारों ने देश की काल्पनिक दुनिया पर कब्जा कर लिया। ग्रैंड फिनाले में 23 विजेताओं की घोषणा की गई। इनमें तीन अंतरराष्ट्रीय रचनाकार भी थे। कैसंड्रा माई स्पिटमैन, एक जर्मन नागरिक, जिन्हें पहले प्रधानमंत्री ने स्वयं मान्यता दी थी। कैसंड्रा एक दृष्टिबाधित गायिका हैं, जो भारतीय भाषाओं में बिना उनके उच्चारण और बोली की अखंडता को लुप्त प्राय भक्ति गीत गाने की अद्भुत क्षमता के लिए जानी जाती हैं। उन्हें सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय रचना सर्जक पुरस्कार प्रदान किया गया।

अन्य विजेताओं में, कीर्तिका गोविंदासामी, जो अपने चैनल 'कीर्ति हिस्ट्री' के लिए प्रसिद्ध हैं, को भारतीय इतिहास पर उनके व्यावहारिक आख्यानों के लिए सर्वश्रेष्ठ कहानीकार का पुरस्कार दिया गया। जया किशोरी, जिन्हें 'आधुनिक समय की मीरा' के रूप में जाना जाता है, को भगवद् गीता और रामायण में निहित उनकी गहन कहानी के लिए सामाजिक परिवर्तन के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्माता का पुरस्कार मिला, जिसने पीढ़ी को आध्यात्मिकता और सार्थक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कारों का उल्लेखनीय पहलू इसकी समावेशिता थी, जिसने ज़मीनी स्तर की प्रतिभा को पहचानने के लिए सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक बाधाओं को पार किया। क्षेत्रीय स्वरों को बढ़ावा देने और विविधता का उत्सव मनाने से, इन पुरस्कारों ने देश भर के रचनाकारों के बीच मान्यता और योग्यता की भावना को बढ़ावा दिया। इस मान्यता ने न केवल सामग्री सृजन को प्रोत्साहित किया, बल्कि जनता के लिए सार्थक संवाद को भी सुलभ बनाया।

इन पुरस्कारों के महत्त्व को भारत की डिज़िटल क्रांति के चौंका देने वाले पैमाने से बल मिला। वर्ष 2022 के अंत तक 1.2 बिलियन से अधिक मोबाइल फ़ोन उपयोगकर्ताओं और 600 मिलियन स्मार्टफ़ोन उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत डिज़िटल कनेक्टिविटी की वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा। प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के प्रसार ने सूचना प्रसार को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों को अपनी कहानियों और विचारों को दुनिया के साथ साझा करने का अधिकार मिला है।

राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार का उद्घाटन इस बात में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है कि अब से भारत के रचनाकार समुदाय को कैसे देखा जाएगा। रचनात्मकता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव का सम्मान करके, ये पुरस्कार रचनाकारों के लिए प्रेरणा के स्रोत और लक्ष्य दोनों के रूप में काम करते हैं।

भारत अब राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल परिदृश्य को समृद्ध करने वाली आवाजों और दृष्टिकोणों को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने वाला विश्व स्तर पर एकमात्र देश बन गया है। यूनिवर्सल वर्ल्ड वाइड वेब के माध्यम से वैश्विक विवरण कैप्चर करने को पकड़ने की इसकी यात्रा अभी शुरू ही हुई है। समय के साथ, नेशनल क्रिएटर्स अवाड्र्स दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल पहचानों में से एक बन जाएगा।

मेरा पहला वोट देश के लिए
युवा शक्ति के नेतृत्व में एक जन आंदोलन

"मैं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से आग्रह करूँगा कि वे रिकॉर्ड संख्या में वोट करें। 18 का होने के बाद आपको 18वीं लोकसभा के लिए सदस्य चुनने का मौका मिल रहा है यानी ये 18वीं लोकसभा भी युवा इंस्पिरेशन का प्रतीक होगी। इसलिए आपके वोट का महत्त्व और बढ़ गया है। भारत को जोश और ऊर्जा से भरी अपनी युवा शक्ति पर गर्व है। हमारे युवा साथी चुनावी प्रक्रिया में जितनी अधिक भागीदारी करेंगे, इसके नतीजे देश के लिए उतने ही लाभकारी होंगे।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
('मन की बात' सम्बोधन में)

"ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे हम अपने युवा छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित कर सकते हैं। निस्संदेह, उन्हें यह महसूस करना होगा कि हमारे देश में जो भी विकास हो रहा है, वह समावेशी है। उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि एक बार जब वे शैक्षणिक संस्थानों से पास हो जाते हैं, तो उनके पास हमारे देश के समावेशी विकास में योगदान करने के लिए अपार अवसर होते हैं और यही बात उन्हें चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी।"

-एम. जगदेश कुमार
अध्यक्ष, यूजीसी

मतदान सिर्फ़ एक नागरिक ज़िम्मेदारी नहीं है। यह लोकतंत्र को परिभाषित करने वाली आधारशिलाओं में से एक है। व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर मतदान समाज की सामूहिक आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है और प्रत्येक नागरिक की राष्ट्र को आकार देने की क्षमता का विकास कर भविष्य को विकसित करने की उनकी शक्ति का बोध कराता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' के 110वें एपिसोड में इस भावना को दोहराया, जब उन्होंने भारत के युवाओं, विशेषकर पहली बार मतदान करने वालों से इस मौलिक अधिकार का प्रयोग करने की ज़ोरदार अपील की। इस प्रयास में प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के चुनाव से पहले 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान का नेतृत्व करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग की सराहना की, जिसमें मतदान की अनिवार्यता पर ज़ोर दिया गया और भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को मज़बूत करने के साथ-साथ राष्ट्र की व्यापक भलाई में भी मदद के लिए अपनी राय व्यक्त की।

भारत निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसमें लगभग 20 करोड़ युवा मतदाता हैं। 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान का उद्देश्य भारत की युवा जनसंख्या को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाने के लिए एक साथ लाना है। युवाओं से अपनी आवाज़ उठाने और बड़ी संख्या में मतदान करके परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करने का आग्रह करते हुए, प्रधानमंत्री ने युवा मतदाताओं से राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनने और राष्ट्रीय विकास के हित में चर्चाओं और बहसों के बारे में जागरूक रहने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'मेरा पहला वोट देश के लिए' गान लॉन्च किया, जिसमें युवा मतदाताओं से अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। इस व्यापक अभियान को अब देश भर में उत्साही युवाओं द्वारा अपने-अपने तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है और इसे जन आंदोलन में बदल दिया गया है। शैक्षिक संस्थानों से लेकर प्रतिष्ठित स्थानों तक, युवा 'बनेगा देश महान, जब वोट करेंगे हम' का संदेश फैला रहे हैं। युवाओं के अलावा जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों ने भी युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए हाथ मिलाया है, चाहे वे फिल्मी हस्तियाँ हों, खिलाड़ी हों, व्यापार और उद्योग जगत की हस्तियाँ हों या पद्म पुरस्कार विजेता और स्थानीय लोक कलाकार हों।

कुछ संख्याएँ

- सभी 12 क्षेत्रीय भाषाओं में **1,09,868** #MeraPehlaVoteDeshKeLiye प्रतिज्ञाएँ ली गईं
- भारत के लोकतंत्र पर प्रश्नोत्तरी में **91,610** लोगों ने हिस्सा लिया
- 'देश हमारा कैसा हो' पर रील मेकिंग प्रतियोगिता में **2218** प्रस्तुतियाँ प्राप्त हुईं
- 'देश हमारा कैसा हो' थीम पर **1258** पॉडकास्ट सबमिट किए गए
- 'देश हमारा कैसा हो' पर **1895** ब्लॉग सबमिट हुए।

'मेरा पहला वोट' गान को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर प्रधानमंत्री की पोस्ट के बाद दस मिलियन से अधिक बार देखा गया है। इस गान का भारत की विभिन्न भाषाओं जैसे मलयालम, तमिल, तेलुगू, मराठी, मैथिली, गुजराती, खासी, डोगरी आदि में भी अनुवाद किया गया था। वरुण धवन, भूमि पेडनेकर, अजय देवगन, महेश बाबू, चिरंजीवी, मोहनलाल, गुनीत मोंगा, कंगना रनौत, नीरज चोपड़ा, पंकज आडवाणी, सूर्य कुमार यादव जैसी प्रख्यात फिल्मी हस्तियों और खिलाड़ियों ने भी देशभक्ति के उत्साह को आगे बढ़ाया और युवाओं को एकजुट करके इस अभियान को राष्ट्रीय आंदोलन में बदल दिया।

'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान युवाओं में देशभक्ति को विकसित करने और उन्हें मतदान की ज़िम्मेदारी के प्रति जागरूक करने तथा युवाओं को शामिल करने हेतु असंख्य गतिविधियों को लेकर आया है। शपथ-ग्रहण, क्विज़, रील मेकिंग, पॉडकास्ट, ब्लॉग लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियों के साथ यह अभियान भौतिक और वर्चुअल आयोजनों के मिश्रण के साथ देश भर के 21,000 कॉलेजों और शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश कर चुका है।

अपने विविध दृष्टिकोण के साथ, 'मेरा पहला वोट देश के लिए' युवा जनसंख्या को राष्ट्रीय कल्याण हेतु लोकतंत्र के उत्सव में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करके उन्हें ज़िम्मेदार नागरिक बनने का अवसर देता है। यह पहल, पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को वोट देने के अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करने में सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें अपने साथियों के बीच समान मूल्य के प्रचारक बनने के लिए भी सशक्त बनाती है। 'मेरा पहला वोट देश के लिए' सिर्फ़ एक अभियान से कहीं अधिक है। यह देशभक्ति की भावना है, ज़िम्मेदारी का आह्वान है और आपके लिए अपने देश के भाग्य का निर्माता बनने का मौका है। इस आंदोलन में शामिल हों। अपना पहला वोट डालकर उसे मतगणना में शामिल करें। आइए मिलकर देश के लिए एक नया अध्याय लिखें!

एम. जगदेश कुमार
अध्यक्ष, यूजीसी

मतदान : संवैधानिक ज़िम्मेदारी

'मेरा पहला वोट देश के लिए' भारत के चुनाव आयोग द्वारा चलाए गए सबसे बड़े अभियानों में से एक है। यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से, देश भर में युवा मतदाताओं को प्रेरित करने, इकट्ठा करने और संगठित करने के लिए काम कर रहा है। लगभग 40,000 कॉलेजों और 1100 से अधिक विश्वविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी के साथ, यूजीसी पहली बार मतदाताओं को हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शिक्षाविदों और छात्रों को एक साथ लाया है।

भारत निर्वाचन आयोग के आँकड़ों से पता चलता है कि हमारे लगभग 1.9 करोड़ मतदाता पहली बार वोट देने वाले हैं और 18-19 आयु वर्ग के लगभग 19.74 करोड़ मतदाता हैं। इसलिए शिक्षण संस्थान इस राष्ट्रव्यापी अभियान में उत्साह दिखा रहे हैं और लोकतंत्र के महत्त्व को रेखांकित करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित कर रहे हैं। ये गतिविधियाँ छात्रों, विशेष रूप से पहली बार आने वाले छात्रों को दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के महत्त्व को समझने और हमारे देश के लोकतांत्रिक ढाँचे को मज़बूत करने में मदद करती हैं। कई विश्वविद्यालय और कॉलेज भी छात्रों को नुक्कड़ नाटकों, प्रतियोगिताओं, क्विज़ आदि में शामिल कर रहे हैं। हमें देश भर से जबरदस्त प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। हम एनईपी सारथी के भी सम्पर्क में हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मज़बूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए बड़ी संख्या में अपने द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो भेज रहे हैं।

ऐसे कई तरीके हैं, जिनसे हम अपने युवा छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित कर सकते हैं। निस्संदेह, उन्हें यह महसूस करना होगा कि हमारे देश में जो भी विकास हो रहा है, वह समावेशी है। उन्हें यह भी पता होना

चाहिए कि एक बार जब वे शैक्षणिक संस्थानों से पास हो जाते हैं, तो उनके पास हमारे देश के समावेशी विकास में योगदान करने के लिए अपार अवसर होते हैं और यही बात उन्हें चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी। हमारे युवाओं में अधिक जागरूकता पैदा करने और उन्हें शामिल करने के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाया जा रहा है। जिस तरह के इम्प्रेशन हमें मिल रहे हैं, उससे हम देख सकते हैं, चाहे वह ट्विटर हैंडल हो या लिंक्ड इन या इंस्टाग्राम, लाखों युवा यूजीसी के साथ जुड़ रहे हैं और हम सभी सामूहिक रूप से इस अभियान में अधिक युवाओं को लाने के लिए काम कर रहे हैं।

राष्ट्र के भविष्य के रूप में, युवाओं में करुणा होनी चाहिए। उनमें संवैधानिक ज़िम्मेदारी की भावना होनी चाहिए और उन्हें हमारे देश के सामने आने वाली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों में समस्या समाधानकर्ता भी बनना चाहिए। इसलिए, मैं देश भर के सभी युवाओं से अपील करना चाहूँगा कि वे आगे आएँ, इस चुनावी प्रक्रिया में भाग लें और मिलकर उस भविष्य को डिज़ाइन करें, जो हम अपने देश के लिए चाहते हैं।

इस आंदोलन में लगभग 5.5 लाख छात्र शामिल हुए

अभियान के हिस्से के रूप में कई गतिविधियाँ, जैसे वाद-विवाद, सेमिनार, नुक्कड़ नाटक, फ्लैश मॉब, रैलियाँ, नृत्य, गायन, पोस्टर बनाना आदि।

एआईसीटीई और यूजीसी कॉलेजों सहित लगभग 1800 संस्थानों की आश्चर्यजनक भागीदारी के साथ, उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) बड़ी संख्या में जुड़े।

रितेश अग्रवाल
सीईओ, ओयो

मतदान : गौरवपूर्ण अधिकार

भारत के लोगों को 18वीं लोकसभा चुनाव एक नए मोड़ की ओर अग्रसर कर रहा है। यह दावा हाल के भारतीय अर्थव्यवस्था में हुई वृद्धि के कारण सम्भव हुआ है, जो लगभग 8.4 प्रतिशत है। परिणामस्वरूप मेरा अनुमान है कि आने वाले 20 से 30 वर्ष भारत के लिए स्वर्ण युग के समान एक समृद्ध युग होगा। मतदान अधिकार प्रत्येक नागरिक के लिए गौरवपूर्ण अवसर है। यह अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप सरकार बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा।

मैं यह समझता हूँ कि आपका अपना पहला वोट एक यादगार और महत्त्वपूर्ण कदम होता है। मैं 30 वर्ष का हूँ, मैं अपने मतदान के प्रारम्भिक अनुभव को साझा करना चाहता हूँ। हालाँकि इस बार मैं दूसरी बार मतदान करूँगा, लेकिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में भाग लेने का गौरव और अपने मतदान के महत्त्व को समझने की भावना संतुष्टि प्रदान करती है।

इस प्रकार, मैं उन लोगों से आग्रह करता हूँ जिन्होंने अभी तक अपना मतदाता पहचान पत्र प्राप्त नहीं किया है, वे इसे तुरंत प्राप्त कर लें, क्योंकि अपना वोट पंजीकृत करने का अवसर हर पाँच साल में केवल एक बार मिलता है। आइए हम इस अवसर को अपनी उंगलियों से फिसलने न दें।

मतदान को प्रोत्साहित करने की पहल, जिसे 'माई फर्स्ट वोट' अभियान का प्रतीक माना जाता है, कुछ चुनिंदा नेताओं और प्रभावशाली लोगों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि मैं इसके व्यापक प्रसार की वकालत करता हूँ। मैं सभी से पाँच युवा, साहसी व्यक्तियों को शामिल करने और मतदान के माध्यम से अपने नागरिक कर्तव्य को पूरा करने के महत्त्व पर ज़ोर देने का आग्रह करता हूँ। नागरिकों के रूप में, हम उन परिणामों की ज़िम्मेदारी लेते हैं, जो हम चाहते हैं, नागरिक शास्त्र शिक्षा का एक मौलिक सिद्धांत है। इसलिए, यह युवाओं पर निर्भर है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें, चाहे उनकी उम्र बीस के आस-पास हो, तीस के दशक की शुरुआत में हो या किशोरावस्था भी हों।

भारत, जिसकी विशाल जनसंख्या मानवता का छठा हिस्सा है, इसके पास अपार सामूहिक शक्ति है। स्वच्छ भारत अभियान जैसी पहल की सफलता एकजुट होने पर परिवर्तनकारी बदलाव की हमारी क्षमता को रेखांकित करती है। मैं एक ऐसे भविष्य की कल्पना करता हूँ, जहाँ भारतीय युवा, अपनी भौगोलिक स्थिति का विचार किए बिना, विश्व स्तर पर प्रभावशाली उद्यमों के निर्माण में योगदान दें। मैं दावा करता हूँ कि यह प्रयास किसी अन्य के समान ही एक नागरिक कर्तव्य है।

निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए, मैं इस सम्बंध में कार्रवाई करने का आह्वान भी करता हूँ। भारत भर के गाँवों और शहरों से आने वाले अनगिनत युवाओं की आकांक्षाओं को पहचानें। दुनिया पर विजय पाने के उनके सपने आपके नेतृत्व पर निर्भर हैं। इस उत्तरदायित्व को केवल अपना न समझें; यह समझें कि हम, इस देश के युवा, भारत को आगे बढ़ाने में सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

मन की बात

प्रतिक्रियाएँ

Smriti Z Irani (Modi Ka Parivar)
@smritiirani

भारत की नारीशक्ति आज हर क्षेत्र में पूरी शक्ति-सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ रही हैं।

बात चाहे प्राकृतिक खेती की हो या जल संरक्षण की, महिलाएं आज ऐसे सभी प्रयासों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं।

#MannKiBaat में पीएम @narendramodi जी ने महाराष्ट्र की रहने वाली कल्याणी प्रफुल्ल पाटिल जी के साथ उपरोक्त विषय पर संवाद किया है।
Translate post

5:24 PM · Feb 25, 2024 · **233.4K** Views

Hardeep Singh Puri
@HardeepSPuri

PM @narendramodi Ji's visionary 'NaMo Drone Didi' scheme to empower women through women-led development is taking roots & is firmly on its way to create 'लखपति दीदी' across the country.
I have myself been witness to the excitement this scheme is generating among our sisters during various #ViksitBharatSankalpYatra interactions in Chengalpattu in Tamil Nadu, Palakkad in Kerala & Hassan in Karnataka.
As Sunita Devi Ji from Sitapur in Uttar Pradesh narrates during her interaction with PM Modi Ji on #MannKiBaat today, this scheme is inspiring our sisters to be #Aatmanirbhar & tech savvy at the same time.

4:32 PM · Feb 25, 2024 · **3,754** Views

Nirmala Sitharaman Office
@nsitharamanoffc

The combination of mobile and social media in this era is opening up new avenues for our young content creators to showcase their talent.

#NationalCreatorsAward is an effort to honour such content creators.

Visit: innovateindia.mygov.in/national-creat...

#MannKiBaat

PIB India and 7 others

6:29 PM · Feb 25, 2024 · **2,240** Views

Anurag Thakur
@ianuragthakur

#MeraPehlaVoteDeshKeLiye - 18 का होने के बाद, आपको 18वीं लोक सभा के लिए सदस्य चुनने का मौका मिल रहा है।

यानी ये 18वीं लोक सभा भी युवा आकांशाओं का प्रतीक होगी, इसलिए उनके वोट का महत्व और बढ़ गया है।

मैं देश के influencers से भी आग्रह करता हूँ कि वह भी इस अभियान में हिस्सा लें और हमारे first-time voters को motivate करें।

#MannKiBaat में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी
Translate post

1:33 PM · Feb 25, 2024 · **5,024** Views

Manikstu Agro
28 Feb 2024

We are thrilled to share a moment of immense pride and gratitude as Honorable Prime Minister Narendra Modiji mentioning about Manikstu Agro during his 110the edition of Mann ki baat last Sunday. His detailed acknowledgment of our venture, particularly our innovative Goat Bank Model, serves as a powerful validation of our commitment to transformative agricultural practices. For nearly a decade, we have been driven by a passion to revolutionize goat farming in India. Today, our beloved Prime Minister's endorsement not only validates our efforts but also fuels our determination to scale our impact exponentially. We extend our heartfelt appreciation to our honorable Prime Minister Narendra Modiji for his unwavering support and encouragement. His recognition inspires us to redouble our efforts and push the boundaries of innovation even further.

None of this would have been possible without the dedication and hard work of our exceptional team. They are the backbone of our organization, and we owe this achievement to their relentless commitment. We also express our sincere gratitude to our invaluable supporters, including KIIT-TBI and Upaya Social Venture, whose unwavering belief in our vision has been instrumental in our journey.

To all our silent champions who have supported us along the way, thank you for believing in us and our mission to revolutionize goat farming in India. This endorsement by honorable Prime Minister Narendra Modiji is not just a recognition of our past achievements but also a catalyst for our future endeavors. We are more determined than ever to lead the way in transforming the agricultural landscape of our nation.

Yogi Adityanath
@myogiadityanath

'सशक्त नारी-आत्मनिर्भर नारी' आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी की शीर्ष प्राथमिकता है।

उसी क्रम में आज @mannkibaat कार्यक्रम में जनपद सीतापुर की 'नमो ड्रोन दीदी' सुनीता देवी जी से प्रधानमंत्री जी ने वार्ता कर उनके ड्रोन दीदी बनने के विषय में चर्चा की। देश भर में 'नमो ड्रोन दीदी' कृषि को आधुनिक बनाने का माध्यम बन रही हैं।

प्रधानमंत्री जी व सुनीता देवी जी के मध्य हुआ संवाद मातृशक्ति को स्वावलंबन एवं आधुनिक कृषि कार्य से जुड़ने हेतु प्रेरित करेगा।
Translate post

12:58 PM · Feb 25, 2024 · **42.7K** Views

Manohar Lal
@mlkhattar

'मेरा पहला वोट - देश के लिए'

First Time Voters बने सभी युवाओं के पास वर्ष 2024 में इतिहास बनाने का शानदार अवसर है।

18 वर्ष पूरा करने वाले सभी युवा '18वीं लोकसभा' चुनने के लिए वोट करेंगे। ऐसे में #MannKiBaat में पीएम श्री @narendramodi जी का रिकार्ड संख्या में वोट करने का आग्रह सभी को याद रखना होगा ताकि एक ऐतिहासिक और युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाली लोकसभा चयनित हो सके।
Translate post

1:09 PM · Feb 25, 2024 · **8,982** Views

Roter Group of Companies
3,437 followers
3w • Edited •
✓ Following

Roter Group of Companies humbly accepts the appreciation from our beloved Prime Minister shri Narendra Modi (https://lnkd.in/gNuMyBPs)

From receiving India's first commercial drone order of Survey of India to being recognized as India's best drone company by MoCA, we've consistently pushed the boundaries of innovation.

The recognition from Prime Minister on his Mann Ki Baat podcast (Episode 110) is a testament to our dedication. His words validated our vision: drones not just as tools, but as instruments for a better tomorrow.

Our #collaboration with the #wildlife Institute of India with the iconic Trinity F90+, helps preserve the national wildlife. Trinity F90+ is the only mapping #drone certified for various payload configurations (**Large Scale Mapping Sensor, Hi-Res Sensor, LIDAR Sensor, Oblique Sensor and Multispectral Sensor**)

With the recent **Type Certification** from DGCA, we look forward to join in our nation's development under the esteemed leadership of our honorable Prime Minister.

Himanta Biswa Sarma
@himantabiswa

India's Nari Shakti is touching new heights of progress in every field.

- Hon PM Shri @narendramodi Ji

#MannKiBaat

11:55 AM · Feb 25, 2024 · **6,208** Views

Ravi Kishan
@ravikishann

Content create कर रहे देश के युवाओं की आवाज आज बहुत प्रभावी बन चुकी है।

उनकी प्रतिभा को सम्मान देने के लिए देश में National Creators Award शुरू किया गया है।

#MannKiBaat
Translate post

11:56 AM · Feb 25, 2024 · **929** Views

Dr Jitendra Singh
@DrJitendraSingh

ये #MannKiBaat की बहुत बड़ी सफलता है कि बीते 110 Episode में हमने इसे सरकार की परछाई से भी दूर रखा है।

'मन की बात' में, देश की सामूहिक शक्ति की बात होती है।

ये एक तरह से जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा तैयार होने वाला कार्यक्रम है।

-पीएम श्री @narendramodi
Translate post

11:31 AM · Feb 25, 2024 · **747** Views

Piyush Goyal @PiyushGoyal

Content Creators की प्रतिभा को सम्मान देने के लिए देश में National Creators Award की शुरुआत।

#MannKiBaat

12:03 PM · Feb 25, 2024 · 13.3K Views

Dr Tamilisai Soundararajan @DrTamilisaiGuv

As always it was delightful watching our Honb @PMOIndia's 110th edition of Monthly radio program #MannKiBaat Enroute to Karaikkal for the inauguration of JIPMER off site campus at Karaikal which will be dedicated to Nation for the benefit of Puducherry citizens alongside adjoining TamilNadu Districts.

மாண்புமிகு பாரதப்பிரதமர் திரு.நரேந்திர மோடி அவர்கள் நம் பாரத தேச மக்களுக்கு ஆற்றும் #மனதின்குரல் உரையை காரைக்காலில் மாண்புமிகு பாரதப்பிரதமர் திரு.நரேந்திர மோடி அவர்கள் புதுச்சேரி மற்றும் தமிழ்நாடு மக்களுக்கு அர்ப்பணிக்கும் ஜிப்மர் மருத்துவக்கல்லூரியுடன் கூடிய மருத்துவமனை திறப்பு விழா நிகழ்ச்சிக்காக செல்லும் பயணத்தில் கேட்டுக் கொண்டுள்ளேன்.
@mannkibaat

Pema Khandu @PemaKhanduBJP

So heartening that Hon PM Shri @narendramodi Ji has shared the initiative of Teacher from Tirap district, Shri Banwang Losu Ji, who is doing incredible work for the conservation of the Wancho language in #MannKiBaat.

Shri Losu Ji has also enlisted Wancho in the US-based Unicode Consortium for online use. This means it can be used on the Internet worldwide.

The Hon PM's recognition will motivate others to undertake similar efforts.

11:38 AM · Feb 25, 2024 · 3,217 Views

Vinod Tawde @TawdeVinod

मुंबई के अंधेरी उपनगर में जेबी नगर बूथ पर वहां के निवासियों के साथ प्रधानमंत्री @narendramodi जी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। हर बार की तरह ये एपिसोड भी हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है।

ये कार्यक्रम सदैव हमें 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं मजबूत राष्ट्र के निर्माण में स्वयं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

#MannKiBaat
Translate post

12:19 PM · Feb 25, 2024 · 13.3K Views

Keshav Prasad Maurya @kpmaurya1

आज देश में कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें देश की नारी-शक्ति पीछे रह गई हो। एक और क्षेत्र, जहाँ महिलाओं ने, अपनी नेतृत्व क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है, वो है – प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता।

-मा0 प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी
#MannKiBaat
Translate post

11:38 AM · Feb 25, 2024 · 2,404 Views

Valiance Solutions
70,108 followers

Proud Moment for Valiance Solutions!

Honored and thrilled to share that our groundbreaking project, "Guardians of Harmony: The Virtual Wall Solution for Human-Wildlife Coexistence," has been featured in "Mann Ki Baat" by Narendra Modi , the Prime Minister of India.

This visionary initiative aims to foster harmonious coexistence between humans and wildlife, leveraging cutting-edge technology to create a virtual barrier that safeguards both. As we take a giant leap towards a sustainable future, we are grateful for the recognition and support from PM Modi.

This solution has proven to be a game-changer in mitigating human-wildlife conflicts, offering a scalable and sustainable approach to coexistence. Curious to learn more about how the Virtual Wall is revolutionizing conservation efforts? Dive deeper into our case study here: https://lnkd.in/gM_XVREF.

We extend our heartfelt gratitude to our dedicated team and partners who have contributed to making this innovation a reality. Together, we're paving the way for a world where humans and wildlife thrive in harmony.

Let's continue working towards a future where technology and conservation intersect to create lasting positive change!

#AIforGood #AI #Conservation #Innovation #PMModi #mannkibaat

Dharmendra Pradhan @dpradhanbjp

आज भारत में वन्य जीवों के संरक्षण में टेक्नोलॉजी का भरपूर प्रयोग हो रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से देश में बाघों की संख्या बढ़ी है। Digital Innovation से वन्य जीवों के साथ ताल-मेल बिठाने में बड़ी मदद मिल रही है।
#MannKiBaat
Translate post

12:38 PM · Feb 25, 2024 · 2,563 Views

Shandilya Giriraj Singh @girirajsinghbjp

• मा० प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं के रोज़गार/ स्व-रोज़गार के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत प्रभावित ढंग से काम किया जा रहा है।
• मोदी जी ने इसके बारे में आज मन की बात में बताया की किस तरह DAY-NRLM के तहत SHG से जुड़ी दीदीयों को नमो ड्रोन दीदी के अंतर्गत ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वो उनका उपयोग कृषि में कर पा रही हैं।
• इस दौरान मन की बात के कार्यक्रम में सीतापुर से सुनीता दीदी ने अपने अनुभव को साझा किया हैं।
#RuralDevelopment #RuralProgress #MoRD #DAYNRLM @WomenEmpowerment #NamoDrone #MannKiBaat
Translate post

4:52 PM · Feb 25, 2024 · 2,381 Views

Bhupender Yadav @byadavbjp

Digital Innovation से हो रहा वन्यजीवों का संरक्षण।

#MannKiBaat

12:07 PM · Feb 25, 2024 · 4,262 Views

Dr Jitendra Singh @DrJitendraSingh

Chemical से हमारी धरती माँ को जो कष्ट हो रहा है, जो पीड़ा हो रही है, जो दर्द हो रहा है - हमारी धरती माँ को बचाने में देश की मातृशक्ति बड़ी भूमिका निभा रही है।

- पीएम श्री @narendramodi

#MannKiBaat
Translate post

11:10 AM · Feb 25, 2024 · 723 Views

Vanathi Srinivasan @VanathiBJP

India's Nari Shakti is touching new heights of progress in every field.
#MannKiBaat

2:41 PM · Feb 25, 2024 · 2,477 Views

Meenakashi Lekhi @M_Lekhi

आज प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी की #MannKiBaat को क्षेत्रवासियों और कार्यकर्ताओं के साथ सुना और नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र की बहनों को संबोधित किया।

लगभग 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन से लेकर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण तक, प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत एक अधिक सशक्त और समावेशी समाज की ओर प्रगति कर रहा है।
Translate post

1:20 PM · Feb 25, 2024 · 3,024 Views

First-time voters should cast ballots in huge numbers: PM

मोदी बोले, लोकसभा चुनाव के कारण तीन माह नहीं होगी 'मन की बात'

नई ऊर्जा के साथ 111वीं कड़ी में फिर मिलूंगा

Mann Ki Baat: PM Modi highlights efforts for marginalised communities, wildlife conservation

NEW DELHI, February 25 (IANS): During the Mann Ki Baat programme on Sunday, Prime Minister Narendra Modi mentioned about the Musahar community of Bihar and said that this community has been extremely marginalised in the state.

The Prime Minister talked about one Bhim Singh Bhavesh from Bihar and said that there has been a lot of discussion among the Musahar community in his area about his actions.

"Bhim Singh has focused on the education of children in this community so that the future of these children can be brightened. He has enrolled 8,000 children from the Musahar community in schools," said the PM.

The Prime Minister further said that Singh has established a library, providing better facilities for education to children.

"He is also helping in obtaining essential documents for the people of his community, improving access to essential resources in the village, thus enhancing the health of the people. He has organised more than 100 medical camps to improve the health of the people," said the PM.

The Prime Minister said that when the COVID crisis was at its peak, Singh motivated the people of his area to get vaccinated. PM Modi said that there are many people like Bhim Singh who are engaged in such noble deeds in society.

"If we fulfil our duties as responsible citizens, it will be very helpful in building a strong nation," said the PM.

During the programme, the Prime Minister also mentioned wildlife conservation and said that in recent years, due to the efforts of the government, the number of tigers in the country has increased.

He said that the Chandrapur Tiger Reserve in Maharashtra, where the number of tigers has increased to more than 250, is using artificial intelligence to reduce conflicts between humans and tigers.

"Similarly, a company in Bengaluru has developed apps called 'Bagheera' and 'Garuda'. Through the Bagheera app, speed of vehicles and other activities can be monitored during jungle safaris. This app is being used in many tiger reserves across the country. Moreover, connecting the Garuda app, based on artificial intelligence, with any CCTV results in real-time alerts," said the PM.

The Prime Minister said that for thousands of years, we have lived with a sense of coexistence with nature and wildlife. He also mentioned the Melghat Tiger Reserve in Maharashtra, where tribal families have converted their homes into homestays.

The PM said that goat farming is becoming a means to improve the livelihoods and living standards of the people in Kalahandi, Odisha.

'ମନ୍ କୀ ବାତ୍'ରେ କଳାହାଣ୍ଡି ଦମ୍ପତି

ପ୍ରଶଂସା କଲେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ମୋଦି

সরকারের প্রচেষ্টায় গত কয়েক বছরে দেশে বাঘের সংখ্যা বেড়েছে

মন-কি-বাত-এ বার্তা প্রধানমন্ত্রীর

নয়াদিল্লি, ২৫ ফেব্রুয়ারি (হি.স.): সরকারের প্রচেষ্টায় গত কয়েক বছরে দেশে বাঘের সংখ্যা বেড়েছে। রবিবার মন-কি-বাত অনুষ্ঠানে বললেন প্রধানমন্ত্রী নরেন্দ্র মোদী। প্রধানমন্ত্রীর কথায়, মহারাষ্ট্রের চন্দ্রপুরের টাইগার রিজার্ভে বাঘের সংখ্যা ২৫০ ছাড়িয়েছে। এখানে গ্রাম ও বনের সীমান্তে ক্যামেরা বসানো হয়েছে। যখনই কোনও বাঘ গ্রামের কাছাকাছি আসে তখনই স্থানীয় মানুষজন এআই (কৃত্রিম বুদ্ধিমত্তার)-এর সাহায্যে তাদের মোবাইল ফোনে সতর্কতা পায়।'

প্রধানমন্ত্রী এদিন মন-কি-বাত অনুষ্ঠানে আরও বলেছেন, 'উত্তরাখণ্ডের রুরকিতে, ভারতের বন্যপ্রাণী ইনস্টিটিউটের সহযোগিতায় "রোটার প্রিসিসন গ্রুপস" একটি ড্রোন তৈরি করেছে যা কেন নদীতে অ্যালিগেটরদের ট্র্যাকিং করতে সাহায্য করছে।' প্রধানমন্ত্রী আরও জানান, বেঙ্গালুরুর একটি সংস্থা "বাঘিরা" এবং "গরুড়" নামের অ্যাপ তৈরি করেছে। "বাঘিরা" অ্যাপের সাহায্যে জঙ্গল সাফারির সময় যানবাহনের গতি এবং অন্যান্য ক্রিয়াকলাপ পর্যবেক্ষণ করা যেতে পারে।' প্রধানমন্ত্রী যোগ করেছেন, 'আমরা হাজার হাজার বছর ধরে প্রকৃতি এবং বন্যপ্রাণীর সঙ্গে সহাবস্থানের চেতনায় বসবাস করছি। আপনারা নিজেই এটি অনুভব করতে সক্ষম হবেন।

আপনি যদি কখনও মহারাষ্ট্রের মেলঘাট টাইগার রিজার্ভে যান। এই বাঘ সংরক্ষণের কাছাকাছি খাটকালি গ্রামে বসবাসকারী উপজাতীয় পরিবারগুলি রয়েছে। সরকারের সহায়তায় তাদের বাড়িগুলোকে হোমস্টে রূপান্তরিত করা হয়েছে।'

Celebrate the contribution of women power, says PM Modi in 'Mann Ki Baat'

THE TIMES OF INDIA

Mann ki Baat: PM Modi appeals to first-timer voters to exercise right in record numbers

Hindustan Times

Mann Ki Baat: 'India's Nari Shakti touching new heights', says PM Modi | Top quotes

THE ECONOMIC TIMES

Meet Sunita Devi, a 'Drone Didi' who was lauded by PM Modi in 'Mann Ki Baat'

FINANCIAL EXPRESS
Read to Lead

What is the 'Goat Bank' PM Modi spoke today in his 'Mann ki Baat' address?

REPUBLICWORLD.COM

AI for human-tiger harmony: Union IT Minister tweets PM's Mann Ki Baat excerpt

RisingKashmir

Mann Ki Baat: PM Modi extols Mohd Manshah Khakhi's contributions to Gojri language preservation

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 110वें एपिसोड में फर्स्ट टाइम वोटरों से की खास अपील

Mann Ki Baat: PM Modi ने 'मन की बात' में की बिहार के भीम सिंह की चर्चा, सामाजिक कार्यों के उदाहरण में लिया नाम

पीएम मोदी का लक्ष्य नारी शक्ति को बढ़ाकर लखपति दीदी बनाना

मन की बात : पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के शिक्षक का किया जिक्र, पेमा खांडू ने जताई खुशी

मन की बात: ताड़ोबा और मेलघाट का जिक्र करते हुए मोदी ने एआई के उपयोग और होम स्टे को सराहा

मन की बात

के सभी संस्करणों को पढ़ने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

सत्यमेव जयते

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार